बर्ष:- 06
अंक:- 25
मुरादाबाद
(Saturday)
16 May 2026
पृष्ठ:-8
मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

यूएई पहुंचने पर एफ-16 फाइटर जेट ने किया विमान को एस्कॉर्ट, पीएम मोदी बोले- ये भारत के लोगों का सम्मान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों के दौरे पर हैं। उनका पहले पड़ाव यूएई है। प्रधानमंत्री मोदी के यूएई पहुंचने पर एफ-16 फाइटर जेट ने उनके विमान को एस्कॉर्ट किया। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये भारत के लोगों का सम्मान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों के दौरे पर हैं। पहले दिन उनका यूएई में भव्य स्वागत हुआ है। यूएई के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने पर एफ16 जेट विमानों ने प्रधानमंत्री मोदी के विमान को सुरक्षा प्रदान की। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह भारत के लोगों का सम्मान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार

सुबह नई दिल्ली से अबू धाबी के लिए रवाना हुए। कुछ घंटे के बाद उनके विमान ने यूएई के हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया, जहां एफ16 जेट विमानों ने पीएम मोदी के विमान को एस्कॉर्ट किया।रणनीतिक साझेदारी, विश्वास का प्रतीक- अमित मालवीय- भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा, %जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विमान यूएई के हवाई क्षेत्र में दाखिल हुआ, यूएई के एफ-16 लड़ाकू विमानों ने उसे एस्कॉर्ट किया। यह भारत और यूएई के नेतृत्व के बीच साझा गहरी रणनीतिक साझेदारी, विश्वास और आपसी सौहार्द का एक प्रतीक है।%पीएम मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया- वहीं, अबू धाबी पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का एयरपोर्ट पर स्वागत हुआ। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। फिलहाल, उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया।यूएई के राष्ट्रपति को पीएम ने भाई कहा- पीएम मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान को %भाई% बताया। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, अपने भाई, राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ मुलाकात के दौरान मैंने जो बातें कहीं, उन्हें शेयर कर रहा हूं। मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने यूएई में किए गए स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा, मैं अपने दूसरे घर आया हूं। ये शब्द और भाव मेरे जीवन की बहुत बड़ी पूंजी है। आज भी जिस प्रकार से आपकी सेना के जहाजों ने एस्कॉर्ट किया, यह भारत के लोगों का सम्मान है।% बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी की 5 देशों की यात्रा का यह पहला पड़ाव है। इसके बाद वे नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे।

मायावती की मांग - ब्राह्मण समाज से माफी मांगें अखिलेश यादव, बसपा यूज एंड थ्रो नहीं करती

बसपा सुप्रीमो मायावती ने सपा प्रवक्ता की ब्राह्मण समाज पर की गई टिप्पणी को लेकर अखिलेश यादव से माफी मांगने और पश्चाताप करने की अपील की है।बसपा सुप्रीमो मायावती ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मांग की है कि उन्हें सपा प्रवक्ता की ब्राह्मणों पर की गई टिप्पणी के लिए ब्राह्मण समाज से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सर्वसमाज का हित सिर्फ बसपा में ही सुरक्षित है। बसपा यूज एंड थ्रो की नीति नहीं अपनाती है।

उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) के एक प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ता द्वारा अभी हाल ही में ब्राह्मण समाज को लेकर की गयी अभद्र, अशोभनीय एवं आपत्तिजनक टिप्पणी व बयानबाज़ी आदि को लेकर हर तरफ उपजा भारी आक्रोश व उसकी तीव्र निन्दा स्वाभाविक ही है तथा इस विवाद के फलस्वरूप पुलिस द्वारा मुक़दमा दर्ज किये जाने के बाद भी यह मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। किन्तु संकीर्ण जातिवादी राजनीति करने वाली सपा के नेतृत्व की इस मामले को लेकर खामोशी से भी मामला और अधिक गंभीर होकर काफी तूल पकड़ता जा रहा है। स्थिति भी तनावपूर्ण होती जा रही है।वैसे भी सपा प्रवक्ता के ग़ैर-ज़िम्मेदाराना बयान से ब्राह्मण समाज के आदर-सम्मान व स्वाभिमान को जो ठेस पहुंची है उसको गंभीरता से लेते हुए सपा मुखिया को इसका तत्काल संज्ञान लेकर ब्राह्मण समाज से क्षमा याचना व पश्चाताप कर लेना चाहिये तो यह संभवतः उचित होगा। इसके अलावा, इस ताजा प्रकरण से लोगों की नजर में यह भी साबित है कि सपा का खासकर दलितों, अति-पिछड़ों व मुस्लिम समाज आदि की तरह ब्राह्मण समाज-विरोधी भी इनका जातिवादी चाल व चरित्र बदला नहीं है बल्कि और ज्यादा गहरा ही हुआ है तथा इसके साथ ही, ब्राह्मण समाज के प्रति वर्तमान सरकार के रवैयों को लेकर भी जो जबरदस्त नाराजगी इस समाज में देखने को मिल रही है वह भी किसी से छिपा हुआ नहीं है, जबकि यह सर्वविदित है कि बी.एस.पी. द्वारा सर्वसमाज की तरह ब्राह्मण समाज को भी पार्टी व सरकार में भी भरपूर आदर-सम्मान देने के साथ-साथ हर स्तर पर उन्हें उचित भागीदारी भी दी गयी है अर्थात बी.एस.पी. में यूज़ एण्ड थ्रो नहीं है बल्कि सर्वसमाज का हित हमेशा सुरक्षित रहा है।

संक्षिप्त समाचार

होर्मुज समेत सभी जलमार्गों से सुरक्षित आवाजाही बहुत जरूरी, ब्रिक्स सम्मेलन में भारत की दो टूक

नई दिल्ली में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में भारत ने होर्मुज और लाल सागर जैसे सभी अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों से सुरक्षित आवाजाही को जरूरी बताया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पश्चिम एशिया के संकट पर चिंता जताते हुए शांति की अपील की। साथ ही, उन्होंने आतंकवाद पर शून्य सहिष्णुता (जीरो टॉलरेंस) की बात कही। नई दिल्ली में चल रहे ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों के बड़े सम्मेलन में भारत ने कहा है कि होर्मुज और लाल सागर समेत दुनिया के सभी रास्तों और जलमार्गों से जहाजों का सुरक्षित आना-जाना बहुत जरूरी है। अगर इन रास्तों में कोई रुकावट आती है, तो इससे पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। इसलिए सभी समुद्री रास्तों को सुरक्षित रखना दुनिया के सभी देशों की एक बड़ी और सामूहिक जिम्मेदारी है।इस दो दिन के सम्मेलन के पहले दिन बृहस्पतिवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दुनिया के सामने अपनी बात पूरी मजबूती से रखी। उन्होंने समझाया कि पश्चिम एशिया में जो लड़ाई और तनाव चल रहा है, उस पर खास ध्यान देने की जरूरत है। समंदर के रास्तों में जहाजों के लिए खतरा लगातार बढ़ रहा है और ऊर्जा व तेल की सप्लाई वाले ढांचे में भी मुश्किलें आ रही हैं। भारत ने साफ कहा है कि वह इस तनाव को कम करने और शांति वापस लाने के लिए जो भी कोशिशें होंगी, उनका पूरा समर्थन करेगा। इलाका इस समय बहुत बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है।

अब सिर्फ आंखें नहीं..आसमान के पंजे हैं ड्रोन, ऑपरेशन सिंदूर पर बोले भारतीय वायुसेना प्रमुख एपी सिंह

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि आधुनिक युद्ध में ड्रोन अब सिर्फ निगरानी के साधन नहीं, बल्कि आसमान के पंजे बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं ने बेहतर समन्वय और एयर डिफेंस सिस्टम की मदद से दुश्मन के ड्रोन हमलों को नाकाम किया।भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने आधुनिक युद्ध में ड्रोन और अनमैन्ड एरियल सिस्टम (ꠅ) की बढ़ती भूमिका को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अब ड्रोन केवल आसमान की आंखें नहीं रहे, बल्कि आसमान के पंजे बन चुके हैं। यानी अब इनका इस्तेमाल सिर्फ निगरानी तक

सीमित नहीं है, बल्कि ये सीधे हमला करने और दुश्मन को नुकसान पहुंचाने की क्षमता भी रखते हैं।दिल्ली के सुब्रतो पार्क में आयोजित एक रक्षा संगोष्ठी में बोलते हुए एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि आधुनिक युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और अब लड़ाई पारंपरिक तरीके से हटकर तकनीक आधारित हो गई है। उन्होंने कहा कि ड्रोन और काउंटर-ड्रोन सिस्टम अब भविष्य की नहीं, बल्कि वर्तमान की जरूरत बन चुके हैं। उन्होंने साफ कहा कि युद्ध का मैदान अब पूरी तरह विकेंद्रीकृत और ऑटोमेटेड सिस्टम की ओर बढ़ रहा है।एयर चीफ ने हालिया संघर्षों और ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने इस दौरान ड्रोन हमलों और दुश्मन की गतिविधियों का प्रभावी तरीके से मुकाबला किया। क दुश्मन की ओर से कई चरणों में ड्रोन भेजे गए थे, लेकिन भारतीय सेनाओं ने मजबूत समन्वय और एयर डिफेंस सिस्टम की मदद से उन्हें लक्ष्य तक पहुंचने नहीं दिया। बीच बेहतरीन तालमेल देखने को मिला। एयर चीफ ने एकीकृत वायु कमान और नियंत्रण प्रणाली (IACCS) को इस सफलता का बड़ा कारण बताया। उन्होंने कहा कि अगर सभी सेनाओं के बीच समन्वय न होता, तो दुश्मन के ड्रोन और हथियारों को रोकना मुश्किल हो सकता था।

ट्रेड डील नहीं अदाणी की रिहाई का सौदा किया: राहुल का बड़ा आरोप, कांग्रेस बोली- US के दबाव में झुकी सरकार

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया कि अमेरिका के साथ हुआ व्यापार समझौता देशहित नहीं, बल्कि गौतम अदाणी को राहत दिलाने के लिए किया गया सौदा है। आइए विस्तार से जानते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बड़ा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि अमेरिका के साथ हुआ व्यापार समझौता देशहित में नहीं, बल्कि उद्योगपति गौतम अदाणी को राहत दिलाने के लिए किया गया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि समझौता करने वाले प्रधानमंत्री ने व्यापार समझौता नहीं किया, बल्कि अदाणी की रिहाई का सौदा किया है। राहुल गांधी की यह प्रतिक्रिया उन रिपोर्ट्स के

बाद आई है, जिनमें कहा गया कि अमेरिकी सरकार गौतम अदाणी के खिलाफ दायर मुकदमे को सुलझाने पर सहमत हो गई है। दरअसल, अमेरिका में दायर मुकदमे में आरोप लगाया गया था कि अदाणी समूह ने भारत में अपनी बड़ी सौर ऊर्जा परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए कथित रिश्वतखोरी योजना को छिपाया और निवेशकों को गुमराह किया। गुरुवार को प्रकाशित अदालत के दस्तावेजों के मुताबिक, अमेरिकी सरकार इस मामले के निपटारे के लिए तैयार हो गई है।जयराम रमेश ने पूछे तीखे सवाल-कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने भी प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अब यह साफ हो गया है कि प्रधानमंत्री ने एकतरफा और अमेरिका के पक्ष में झुके भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को क्यों स्वीकार किया। जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि अब यह भी स्पष्ट हो गया है कि प्रधानमंत्री ने 10 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर को अचानक क्यों रोक दिया। उन्होंने राष्ट्रीय हित के बजाय राष्ट्रपति ट्रंप की धमकियों के आगे झुककर फैसला लिया। उन्होंने आगे दावा किया कि ट्रंप प्रशासन अदाणी के खिलाफ भ्रष्टाचार से जुड़े सभी आरोप हटाने की तैयारी कर रहा है। रमेश ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री और कितने समझौता करेंगे? क्या है मामला?- यह मामला 2024 के आखिर में अमेरिका की सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (स्श्वष्ट) द्वारा दायर मुकदमे से जुड़ा है। मुकदमे में आरोप लगाया गया था कि अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी ने 2020 से 2024 के बीच भारतीय सरकारी अधिकारियों को लगभग 26.5 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने पर सहमति जताई थी। आरोपों के अनुसार, यह रिश्वत भारत में सौर ऊर्जा आपूर्ति के लाभदायक ठेके हासिल करने के लिए दी गई थी, जिनसे 20 वर्षों में करीब 2 अरब डॉलर का मुनाफा होने की उम्मीद थी। मुकदमे में यह भी आरोप लगाया गया था कि अदाणी समूह ने अमेरिकी कंपनियों समेत विभिन्न संस्थानों से करीब 2 अरब डॉलर के लोन और बॉन्ड जुटाए, जबकि कंपनी ने अपनी भ्रष्टाचार विरोधी नीतियों और प्रक्रियाओं को लेकर झूठे और भ्रामक दावे किए थे। अदाणी समूह ने इन सभी आरोपों से इनकार किया है।

पांच दिन में दिया चार बच्चों को जन्म, नार्मल डिलीवरी देख चिकित्सक भी हैरान, किलकारियां सुनकर परिजन खुश

संभल जिले अमीना ने पांच दिनों के भीतर चार बच्चों को जन्म दिया। सबसे खास बात यह रही कि इतने हाई रिस्क मामले में चारों बच्चों की डिलीवरी सामान्य तरीके से हुई। लगातार चिकित्सकों की निगरानी और उपचार के बाद मां और सभी नवजात सुरक्षित हैं।मुरादाबाद के टीएमयू अस्पताल में संभल जिले के ओबरी गांव निवासी अमीना (31) ने चार बच्चों को जन्म दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि हाई रिस्क मामले में चारों बच्चों की डिलीवरी पूरी

तरह सामान्य तरीके से हुई। आमतौर पर ऐसे मामलों में सिजेरियन ऑपरेशन किया जाता है।डॉक्टरों की निगरानी में मां और चारों नवजात सुरक्षित हैं। अमीना को आठ मई को प्रसव पीड़ा होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अगले दिन नौ मई को उन्होंने पहले बेटे को जन्म दिया। इसका वजन करीब 710 ग्राम था। उस समय गर्भावस्था लगभग साढ़े छह से सात महीने की थी।पांच दिनों तक लगातार उपचार चलाडॉक्टरों ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए बाकी बच्चों की डिलीवरी को रोक दिया। इसके बाद पांच दिनों तक लगातार निगरानी और उपचार चलता रहा। 14 मई को अमीना को दोबारा प्रसव पीड़ा हुई और उन्होंने एक बेटे व दो बेटियों को जन्म दिया। डॉक्टरों के मुताबिक यह मामला इसलिए भी बेहद खास था क्योंकि गर्भ में पल रहे चारों बच्चे अलग-अलग थैली में थे। गर्भावस्था के दूसरे महीने में अल्ट्रासाउंड के दौरान ही यह स्पष्ट हो गया था कि महिला के गर्भ में चार भ्रूण हैं। ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्याओं से घिरी अमीना-गर्भावस्था के दौरान अमीना को लीवर और ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्याओं का भी सामना करना पड़ा। हालत बिगड़ने पर उन्हें कई बार अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। 20 दिन में नियमित जांच और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचता रहा।देखभाल की जरूरत है। पिता ने चिकित्सकों का किया धन्यवाद - पहला जन्मा बच्चा मां का दूध ले रहा है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। उपचार करने वाली टीम में डॉ. शुभ्रा अग्रवाल, डॉ. पूर्ति, डॉ. रोली और डॉ. मोनिका समेत अन्य स्टाफ शामिल था। डॉक्टरों का कहना है कि इस तरह की हाई रिस्क प्रेग्नेंसी में मां और बच्चों दोनों की जान को गंभीर खतरा रहता है। बच्चों के पिता और किराना स्टोर संचालक मोहम्मद आलिम ने अस्पताल और डॉक्टरों की टीम का आभार जताया है।

संपादकीय Editorial

Who turned their backs?

The economic crisis teaches us what we don't learn under normal circumstances, so the paths are strengthened where clay is turned to stone. If tough decisions are born from the womb of economic crisis, that will be a measure of your worth; otherwise, even priceless pearls shatter and scatter. While Himachal's efforts to gather its scattered pearls are being tested, it's also worth considering that sooner or later, governments will have to change their character. It's being understood that after slashing the pay bills of ministers and MLAs, efforts are underway to nurture the future with tough decisions. In this context, extensions of service for officers and employees in Himachal have been put on hold, or reappointments have been halted. Although generous grants were distributed through extensions, re-employment, and re-engagement, the pens of such decisions are now sweating. The autumn in the government garden has ruined the days and months of the bees. The decision hasn't uprooted the previous extension, yet this spell will collapse in due course. In fact, every government in Himachal Pradesh has built magical castles for itself, but each wonder proves to be overwhelming. The streets of Shimla don't allow the rulers to be heard, and the drums that are played during welcomes completely dull the ears. Therefore, the racial traditions of senior officials keep Himachal dancing on their fingers. The real job comes after the term ends. These bell-bells have been taught the etiquette of silence, otherwise even the walls once had ears. On the other hand, the rewards cultivated through government experience have never allowed governments to venture beyond their four walls. Files create chaos in the silence of the secretariat, and the compulsions of power bleed in the whirlpool of martyrdom. However, Himachal's decisions are also being reviewed in the context of economic standards, so one must wonder who those quails were who ruined the entire field. Clearly, the expensive trappings of government employment have taken a toll on the treasury. Had past governments not turned the treasury into a slaughterhouse, their debts wouldn't have broken their limbs. Now, if job extensions are stalled, who can explain what system or demand allowed a few officers and employees to be held in high esteem, preventing them from ever feeling the government's disregard for them? Himachal's pursuit of reputation has always been a challenge. These final two years of a government's tenure often lead to the treasury's oblivion. Who has ever been satisfied? Whether the previous government provided free electricity or discounted HRTC bus service to women passengers, they have become loyal to power. Numerous announcements have certainly yielded a few coins, but in Himachal's ever-changing election season, no one is anyone's ally. The day governments see the loyalty of employees in Pangi, Kinnaur, or Shillai, far from the court of Shimla, the standard of good governance will change. The day politics ceases to merely reflect public desire, social concerns will shift. The day political leaders cease to consider themselves mere personnel transfer machines, the public's democratic expression will change. The day governments understand that the private sector has a population of approximately 250,000 employees, traders, entrepreneurs, and self-employed individuals, far outnumbering the approximately 450,000 public sector pensioners, the entire system will change. If governments ever formulate policies in accordance with the desires of the private sector, the constraints of power will be removed.

Somnath, an eternal symbol of unwavering faith: CM Yogi Adityanath

This generation is also the inheritor of India's cultural heritage. It must understand that India's progress is not possible solely through economic progress. The Somnath Temple symbolizes India's immortal national consciousness. Reconstruction was a pledge to reestablish cultural self-respect. New India is moving forward with a cultural renaissance. India is not just a landmass, but a vibrant nation with thousands of years of civilization, cultural consciousness, and spiritual tradition. Indian philosophy states that the soul is immortal; it only changes form. Similarly, India's eternal culture and its faith are also eternal. History bears witness to the many attempts to erase this consciousness, but it could neither be subdued nor destroyed. The Shri Somnath Temple, located on the coast of Saurashtra, is a shining symbol of that immortal national consciousness and cultural nationalism. The past thousand years bear testimony to the fact that our faith, courage, and creativity remained steadfast in the face of the hatred, fanaticism, and destructive policies of foreign invaders. Today, as India celebrates the 75th anniversary of the dedication of the rebuilt Somnath Temple in the 20th century, it is not just a remembrance of a historic event, but also a sacred occasion to rediscover India's soul, its faith, and its self-respect. Shri Somnath, the first of the twelve Jyotirlingas, witnessed countless invasions and destruction over the centuries, but each time it was restored with even greater glory and brilliance. Many invaders, from Mahmud Ghaznavi to Aurangzeb, attempted to destroy it, but they themselves vanished into history, leaving the Somnath Temple standing firm. Even after independence, when the country was going through the pain, displacement, and uncertainty of partition, every Indian felt that political independence alone was not enough; India must also restore cultural independence. At such a time, the Iron Man, Sardar Vallabhbhai Patel, resolved to rebuild Somnath. This was not just the restoration of a temple, but a pledge to reestablish the cultural self-respect of independent India. Sardar Patel knew that if the nation was to move forward with self-confidence, it must connect with its cultural consciousness and historical pride. The reconstruction of Somnath was a declaration that independent India would move forward not by cutting itself off from its roots, but by remaining true to its traditions. Although Sardar Patel could not see his dream come true, the first President, Dr. Rajendra Prasad, attended the consecration ceremony of the Somnath Temple, despite the reluctance of then-Prime Minister Jawaharlal Nehru. Dr. Rajendra Prasad's decision was a declaration that India's cultural soul cannot be suppressed by any ideological pressure. Today, in the era of Amritkaal, under the leadership of Prime Minister Narendra Modi, India is experiencing a self-realization. This is a period of cultural renaissance. The work initiated by Sardar Patel and Dr. Rajendra Prasad in independent India is seen moving forward with renewed confidence under Modi's leadership. The construction of the grand temple at the Shri Ram Janmabhoomi in Ayodhya is also the historic culmination of five centuries of struggle, patience, and cultural pride. The invaders who once attacked India's faith by desecrating the birthplace of Lord Ram have now been lost in the obscurity of history, but the magnificent temple of Lord Ram stands in all its glory. In this context, the redevelopment of Shri Kashi Vishwanath Dham symbolizes the vitality of Kashi and the revival of India's eternal consciousness. Today, this cultural consciousness of India is gaining new acceptance globally. The world's attraction to Yoga, Ayurveda, Indian philosophy, spirituality, and the eternal vision of life is constantly growing. This is not merely a cultural influence; it is an acceptance of India's eternal vision, which shows humanity the path to balance, coexistence, and harmony. Under the leadership of Prime Minister Modi, the 'New India' is today celebrating the cultural glory of the eternal faith in the form of the 'Somnath Swabhiman Parv', and the destruction of tyrants like Ghazni is igniting new buds of joy, creativity, and splendor. The reconstruction of Somnath is an important foundation of this broader cultural discourse. It reminds us that no nation becomes great through economic power alone. Its true strength lies in its cultural consciousness, its historical self-confidence, and its civilizational continuity. Nations that forgot their roots gradually weakened over history, but India has preserved its soul throughout every era. Today, as we celebrate the 75th anniversary of the inauguration of the reconstructed Somnath Temple, it is also an opportunity to introduce the new generation to the true nature of India. This generation is also the inheritor of India's cultural heritage. They must understand that India's rise is not possible through economic progress alone. India will become fully developed and powerful only when it moves forward by connecting with its soul. The Shri Somnath Temple also reminds us that reconstruction is not just physical; it is also mental and national. When a society restores its broken symbols, it not only builds buildings but also revives its self-confidence. The 75th anniversary of the reconstructed Somnath Temple inspires us that a nation's self-respect is linked to its cultural consciousness. It happens. If culture is safe, the nation's future is also safe. On this occasion, let us all resolve to further strengthen India's great cultural tradition, spiritual heritage, and national values. We will teach future generations the glory of our civilization and play an active role in elevating India to its true global status in the Amritkaal. Jai Somnath!

The Changing Face of Indian Politics

Does he truly stand with every woman who rises from deprivation, labor, and social neglect to leadership, or is his support limited to those with whom he feels ideologically or socially comfortable? The historic victory of marginalized women in the West Bengal elections is a new symbol of women's empowerment. A critique of selective feminism, a demand for broader acceptance. The results of the West Bengal Assembly elections this time have not only changed the calculus of power but also given a new social interpretation to the meaning of democracy. The victories of women like Kalita Majhi from Asgram, Rekha Patra from Hingalganj, and Ratna Debnath from Panihati are not merely electoral successes. Here is a domestic help, a woman from the working class and the underprivileged, and a mother who transformed her personal suffering and social humiliation into strength and determination. The presence of these women reveals the changing face of Indian politics, where, for the first time, women once seen as marginalized are now at the center of power and representation. If we view these women's victories merely as electoral results, it would be a failure of our social vision. Beyond electoral statistics and political discourse, these women's victories are a sign of women's empowerment. This is the very empowerment that has been consistently called for since independence, and which intellectuals and ideological circles have been discussing for years. With the victories of women like Kalita Majhi, Rekha Patra, and Ratna Devnath, it was natural to expect that supporters and vocal proponents of feminist ideology in India would openly stand with them. This expectation was also warranted because for years, voices have been raised continuously for women's representation, political participation, and leadership presence. But surprisingly, a strange silence is observed from all digital media platforms to ideological and intellectual discourses. Those voices, which are usually very vocal on the issue of women's rights and women's leadership, have been lost today. Feminist thinker Nancy Fraser, in her famous essay "From Redistribution to Recognition?" She raises serious questions about the fact that if feminism is limited to the achievements of a few successful and privileged women, it cannot change the real inequalities in society. Perhaps this is why, when women from ordinary and struggling lives reach politics and public leadership, society does not accept them as readily as women from influential and affluent backgrounds. Bell Hooks writes in her book, "Feminist Theory: From Margin to Center," that mainstream feminist discourse has long centered primarily around the experiences of privileged women. Perhaps this is why women who emerge from labor, deprivation, and struggle do not receive the easy acceptance, praise, and recognition that women from influential and affluent backgrounds receive relatively easily. When any political ideology or party in India gives Dalit, deprived, and struggling women an opportunity to reach mainstream politics, it should first and foremost honor the courage and struggle of these women. To view them only through the lens of a political party and remain silent is perhaps to limit the broader social objective that has been discussed for decades. The aim of feminism is not merely to provide women with representation, but to dismantle structures of gender exploitation and oppression. Women's struggle cannot be limited to ideological discussions; it must also be understood in relation to the lived experiences, class struggles, and social realities of women who rise from marginalized backgrounds to leadership. Then, their impact is not limited to mere personal achievement. This situation also changes society's democratic imagination, women's aspirations, and the traditional boundaries of representation. Ironically, even in societies that discuss women's representation and women's leadership, when women from extremely ordinary, working-class, or socially marginalized backgrounds enter politics, a subtle discomfort with their presence becomes apparent. The problem is not simply the woman's entry into politics, but also the class and social background from which she comes. The time has come for every self-proclaimed supporter of feminism to introspect and ask whether they are victims of selective feminism. Does he truly stand with every woman who rises from deprivation, hard work, and social neglect to leadership, or is his support limited to those with whom he feels ideologically or socially comfortable? If women's struggle and women's leadership are accepted based on likes and dislikes and ideological convenience, then it will no longer be feminism, but selective feminism.

जिस पर सबसे ज्यादा भरोसा, उसी ने दिया धोखा, परिवार को नींद की गोलियां देकर प्रेमी को घर बुलाती थी अरीबा

आठ साल से अफेयर, करना चाहती थी प्रेमी की गरीबी दूर, अरशद को लाखों रुपये दे चुकी थी कारोबारी की बेटी अरीबा

मुरादाबाद में पीतल कारोबारी के घर हुई डकैती का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पीतल कारोबारी की बेटी ने ही प्रेमी के साथ मिलकर घर में डाका डलवाया था। पुलिस जांच में बेटी को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।मुरादाबाद में कारोबारी के घर डकैती में कई चौंकाने वाले बातें सामने आई हैं। अरीबा अपने परिवार को चाय और खाने में नशे की गोलियां मिला देती थी। जिससे परिवार के लोग गहरी नींद में सो जाते थे। इसके बाद वह डिजिटल लॉक खोलकर प्रेमी अरशद को अंदर बुला लेती थी। यहां कई घंटे रुकने के बाद वह वापस चला जाता था।

अरीबा अपने परिवार को एक दो दिन नहीं बल्कि कई साल से धोखा दे रही थी। अरीबा के पिता कारोबार के सिलसिले में ज्यादातर समय बाहर ही रहते हैं। घर में मां, छोटी बहन और दो भाई रहते हैं। अरीबा जीने के ठीक बराबर वाले कमरे में रहती थी। उसके कमरे के सामने ही दीवार पर डिजिटल लॉक का रिमोट लगा है। इस रिमोट से ही कारोबारी के मकान के मेनगेट पर लगे डिजिटल लॉक खुलते हैं।अरीबा और अरशद फोन पर देर तक बात करते थे। अरीबा बाजार जाने के बहाने बाहर निकलती थी। बाजार में ही अरशद अरीबा को गोलियां दे देता था। इन गोलियों को अरीबा खाने या चाय में मिलाकर दे देती थीं। इसके लॉक खोलकर अरशद को अपने में बुला लेती थी।जिस बेटी पर सबसे ज्यादा भरोसा... उसी ने दिया धोखा- पीलत कारोबारी इमरान को अपनी बड़ी बेटी पर सबसे ज्यादा भरोसा था। घर में आने वाले हर कैश की जानकारी उसे रहती थी। कभी कोई ऐसी बात भी सामने नहीं आई, जिससे अविश्वास पैदा हो लेकिन डकैती के खुलासे ने पूरे परिवार को हैरत में डाल दिया है। किसी को भरोसा ही नहीं हो रहा है कि परिवार की सदस्य ही घर को लुटवा सकती है।टोल पर फास्टैग देने के लिए लगानी पड़ी सही नंबर प्लेट- कारोबारी के घर में डकैती डालने वाले बदमाशों की संख्या दस थी। बदमाशों का पहले से कोई गिरोह नहीं है लेकिन आपस में बदमाश एक दूसरे से एक कड़ी की तरह जुड़े हैं। जिस कारण तक इन तक पहुंचने के लिए पुलिस के लिए चुनौती थी।इस वारदात में दो कारों का इस्तेमाल किया था। दोनों कारों की नंबर प्लेट से छेड़छाड़ की गई थी लेकिन वारदात को अंजाम देने के बाद जोया टोल कारों के नंबर प्लेट ठीक करनी पड़ी थी। यहां बदमाशों की कारें और बदमाशों की तस्वीरें सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थीं।500 से अधिक कैमरों की फुटेज और 100 नंबरों की सीडीआर खंगाली

पुलिस ने घटनास्थल से लेकर शहर के प्रमुख रास्तों और हाईवे तक टीमों ने कैमरों की फुटेज खंगाली। दिल्ली लखनऊ हाईवे टोल प्लाजा तक कैमरे चेक किए गए। पांच सौ से ज्यादा कैमरे खंगाले गए और 100 नंबरों की सीडीआर भी खंगाली गई थी। इसके बाद ही पुलिस को सफलता मिल पाई।

इस तरह पुलिस के हत्थे लगे बदमाश टोल पर गाड़ी का पेमेंट फास्टैग के जरिए किया गया। फास्टैग से संबंधित नंबर मझोला के मनोहरपुर निवासी कुलदीप के नाम था। कुलदीप के मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल से तीन संदिग्ध नंबर मिले। इन नंबरों से अरशद,रवि के नंबर मिल गए पुलिस ने अरशद को गिरफ्तार कर उससे रकम बरामद की इन नंबरों के जरिए रवि और कुलदीप को ट्रेस किया गया इसके बाद निक्की को भी ट्रेस कर लिया।कारोबारी के घर में हुई वारदात में किसी परिवार के सदस्य के होने के संकेत पहले ही दिन दे दिए थे। डिजिटल लॉक रिमोट के बिना खुलने की जानकारी भी खबर में दी गई थी। इसी लाइन पर पुलिस ने भी काम किया और कड़ी से कड़ी जुड़ती चली गई।गिरफ्तार बदमाशों में तीन कर चुके हैं

बीफार्मा अरशद वारसी, उम्र 27 साल शिक्षा- बीफार्मा कुलदीप उम्र 26 साल- शिक्षा- बीफार्मा, (अरशद का क्लासमेट) रवि कुमार उम्र 26 साल- शिक्षा- बीफार्मा (कुलदीप का दोस्त) निक्की उम्र 19 साल - शिक्षा- इंटरमीडिएट कुलदीप का (रिश्ते का भाई) अरीबा उम्र 21 साल कारोबारी की बेटी शिक्षा- इंटर मोडिएट- बरामद सामान 47 लाख 20 हजार रुपये दो कार, पांच मोबाइल, तीन तमंचे, एक पिस्टलपीतल कारोबारी की बेटी ने ही प्रेमी के साथ मिलकर घर में डलवाया था डाका मुरादाबाद के नागफनी के बंगला गांव स्थित अकबर कंपाउंड में पीतल कारोबारी इमरान के घर रविवार की देर रात करोड़ों का डाका किसी और ने नहीं, उनकी बेटी अरीबा ने अपने प्रेमी अरशद के साथ मिलकर डलवाया था। बृहस्पतिवार को पुलिस ने अरीबा, अरशद समेत वारदात में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार कर इस सनसनीखेज घटना का खुलासा कर दिया। पुलिस के मुताबिक, अरीबा ने ही रिमोट से डिजिटल लॉक खोलकर बदमाशों को अंदर बुलाया था। पुलिस ने 47.24 लाख रुपये बरामद कर लिए।घटना में शामिल अन्य बदमाशों की तलाश की जा रही है। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि इमरान अपने परिवार के साथ अकबर कंपाउंड में दो मंजिला मकान में रहते हैं। पीतल के अलावा उनका प्रॉपर्टी खरीदने और बेचने का भी काम है।

जिगर कॉलोनी स्थित मकान की रजिस्ट्री कराने के लिए उन्होंने 1.20 करोड़ कैश घर में रखा था। रविवार को कारोबारी और अन्य परिजन बेटी अरीबा का जन्मदिन मनाने हाईस्ट्रीट स्थित रेस्टोरेंट में गए थे।रात करीब 12 बजे सभी घर आकर सो गए थे। देर रात 3ः30 बजे बदमाश घर में घुसे और परिवार को पिस्टल और तमंचे के बल पर धमकाकर 1.20 करोड़ नकद और करीब छह तोला सोना लूट ले गए थे। भागते समय डीवीआर और तीन मोबाइल भी ले गए थे। घटना के खुलासे के लिए एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह के नेतृत्व में बनी आठ टीमों ने अलग-अलग एंगल पर काम शुरू किया। पुलिस अफसरों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तो पता चला कि घर में डिजिटल लॉक लगा था। जिसका रिमोट मकान के अंदर ही था। घर में छह सदस्य थे। घर के सभी सदस्यों के मोबाइल की कॉल डिटेल खंगाली गई।सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि कारोबारी की बड़ी बेटी अरीबा ने घटना से पहले और घटना के बाद अरशद वारसी नाम के युवक से फोन पर बात की थी। पुलिस ने अरशद तक पहुंचकर अरीबा से उसकी प्रेम कहानी उगलवा ली। इसके बाद पुलिस ने अमरोहा के नौगांवा सादात थाना इलाके के मकदूमपुर निवासी अरशद, बिजरा निवासी रवि कुमार, गजरौला के तिगरिया भूड़ निवासी निक्की, मझोला के मनोहरपुर निवासी कुलदीप और कारोबारी की बेटी अरीबा को गिरफ्तार कर लिया।

मुरादाबाद में पीतल कारोबारी की 21 साल की बेटी अरीबा अपने प्रेमी अरशद को करोड़पति बनाना चाहती थी। परिवार के विरोध में शादी कर मौज करने का प्लान था। प्रेमी अरशद ने कॉलेज के दोस्तों की मदद से गैंग बनाया था।मुरादाबाद में पीतल कारोबारी की 21 साल की बेटी अरीबा ने सिर्फ डिजिटल लॉक खोलकर डकैती ही नहीं डलवाई थी, बल्कि मुख्य साजिशकर्ता भी रही। साधारण परिवार से जुड़े प्रेमी अरशद से शादी में गरीबी आड़े न आए, इसके लिए करोड़ों की डकैती की साजिश रची गई। इससे पहले भी वह धीरे-धीरे अरशद को लाखों रुपये दे चुकी थी। पुलिस पूछताछ में आरोपी अरशद और अरीबा ने बताया कि 2018 में दोनों के बीच दोस्ती हुई थी। उस वक्त अरशद दिल्ली रोड स्थित आईएफटीएम विश्वविद्यालय से बीफार्मा कर रहा था। वहां अरीबा की एक रिश्ते की बहन भी पढ़ रही थी। बहन ने ही अरीबा और अरशद के बीच दोस्ती कराई थीइसके बाद दोनों के बीच फोन, फेसबुक और व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम के जरिये बातचीत शुरू हो गई। अरीबा अरशद से शादी करना चाहती थी लेकिन अरशद उसके नाबालिग होने की बात कहकर टाल देता था। दो साल पहले अरीबा बालिग हो गई थी। इसके बाद अरीबा ने उस पर शादी के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया था। अब अरशद नया गेम खेलने लगा था। उसने अपनी बिरादरी अलग होने के साथ ही बताया कि वह आर्थिक रूप से कमजोर है। उसका परिवार हमारी शादी के लिए तैयार नहीं होगा। जिस पर अरीबा ने उसे हर तरह की मदद का आश्वासन दिया। बीच बीच में उसने अरशद को अपने घर से लाखों रुपये भी दिए लेकिन वह उन रुपयों को खर्च कर देता था। इसके बाद दोनों भाग कर शादी करने की योजना बना ली थी लेकिन इससे पहले अरीबा अरशद को करोड़पति बनाना चाहती थी। ताकि परिवार के विरोध में जाकर शादी करें तो उनके सामने आर्थिक संकट न आए।

अनुदेशकों और शिक्षा मित्रों की उपस्थिति का होगा सत्यापन

मुरादाबाद । जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में गुरुवार को कलक्ट्रेट सभागार में बेसिक शिक्षा की डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स की बैठक हुई। इसमें जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विमलेश कुमार से जिले बच्चों की संख्या के बारे में जानकारी उन्होंने नाराजगी जताई। जिला बेसिक जारी करने का निर्देश दिया। स्कूलों में अध्यापक औपचारिक रूप से ड्रेस में ही आएंगे। प्रार्थना, इसका सख्ती से पालन होगा। के बाहर जिलाधिकारी, एसएसपी, नम्बर लिखवाएं। शिक्षकों से किसी शिकायतें बर्दाश्त नहीं होंगी। किसी आपूर्ति नहीं होगी, क्योंकि इससे शिकायत मिलने पर एफआईआर दर्ज शिक्षकों द्वारा निर्धारित विद्यालय की दिया। बैठक में मुख्य विकास जॉइंट मजिस्ट्रेट शक्ति दुबे, जिला जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि अनुदेशकों की उपस्थिति की अक्सर शिकायतें मिलती हैं। अगले 15 दिन में उपस्थिति का सत्यापन सुनिश्चित कराया जाए। केजीबी विद्यालयों की स्थिति की हुई समीक्षा- जलाधिकारी ने जिले में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में बालिकाओं की कम उपस्थिति का कारण पूछा। भगतपुर, मुरादाबाद, ठाकुरद्वारा, डिलारी और छजलैट में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की वार्डन को स्पष्टीकरण नोटिस जारी करने के साथ ही संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी को भी चेतावनी नोटिस जारी करने का निर्देश बीएसए को दिया। कहा कि इन विद्यालयों के वार्डन वहां बनने वाले नाश्ते और भोजन की फोटो व्हाट्सएप ग्रुप पर भेजेंगे। यहां पढ़ने वाली बालिकाओं को अहिल्याबाई होल्कर पर आधारित सीरियल भी दिखाया जाएगा। इसका उद्देश्य अहिल्याबाई होल्कर की न्यायप्रियता और धर्मपरायणता के साथ ही उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं के बारे में बालिकाओं को जागरूक करना है। निरीक्षण के दौरान प्रधानाध्यापक की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे अधिकारी- जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि विद्यालयों के निरीक्षण के लिए नामित अधिकारी निरीक्षण के दौरान प्रधानाध्यापक की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे। शिक्षकों से शिष्टाचार का पालन करते हुए निर्धारित बिंदुओं पर निरीक्षण और जांच करेंगे। कहा कि शिक्षक बच्चों के भविष्य को लेकर संवेदनशील हों, विद्यालय का माहौल अच्छा बनाएं।

संक्षिप्त समाचार

300 रुपये के लिए हत्या: टायर मरम्मत को लेकर विवाद, चालक ने मिस्त्री को मारा चाकू, जमीन पर गिरा तो उठा नहीं

मुरादाबाद के डींगरपुर में टायर मरम्मत के 300 रुपये मांगने पर ट्रक चालक और पंक्चर बनाने वालों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि चालक ने चाकू से हमला कर पंक्चर वाले को गंभीर घायल कर दिया। उसने जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया। मैनाठेर के गांव डींगरपुर में बृहस्पतिवार की रात ट्रक चालक से टायर मरम्मत के 300 रुपये मांगने पर उसने पंक्चर बनाने वाले के बहनोई को चाकू से हमला कर घायल कर दिया। घायल युवक की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मारपीट में ट्रक चालक भी घायल हो गया है।उसका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी मुशर्रफ गांव डींगरपुर स्थित एक टायर पंक्चर की दुकान पर अपने बहनोई इश्तेखार आलम के साथ काम करता था। बृहस्पतिवार की देर शाम एक चालक ट्रक का पहिया मरम्मत कराने के लिए आया।मुशर्रफ ने टायर खोलकर उसकी रिपेयरिंग की। उसने टायर मरम्मत के एवज में ट्रक चालक से 300 रुपये मजदूरी की मांग की। इसी बात को लेकर ट्रक चालक विवाद करने लगा। उसने मुशर्रफ के साथ गाली-गलौज की।

विवाद गहराने पर मुशर्रफ ने मदद के लिए अपने बहनोई इश्तेखार आलम को आवाज लगाई। बहनोई ने आने के बाद ट्रक चालक की हरकत का विरोध किया और पूरे पैसे की मांग की। इस दौरान चालक अपने ट्रक से एक चाकू निकालकर आया। उसने इश्तेखार पर चाकू से कई वार कर दिया। ताबड़तोड़ वार से घायल इश्तेखार जमीन पर गिर पड़ा। परिवार के लोग इलाज कराने के लिए उसे लेकर जिला अस्पताल आए लेकिन यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके का मुआयना करने के बाद ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि आरोपी ट्रक चालक करीम रामपुर जिले के डुंडई गांव का रहने वाला है।

मारपीट में वह भी घायल हुआ है। उसका डींगरपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद सीओ अशोक कुमार सिंह ने मौके का मुआयना किया। इस बारे में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक किरन पाल ने बताया कि मैकेनिक के मौत के मामले की पुलिस जांच कर रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, मायके वालों ने लगाया हत्या का आरोप

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। वहीं परिवार ने हत्या का आरोप लगाया है।थाना केमरी क्षेत्र के गांव मालनखेड़ा निवासी व मृतका के भाई जितेन्द्र राजपूत ने बताया कि उन्होंने बहन पुष्पा की शादी भोट थाना क्षेत्र के काजी की मडैया निवासी टाइल्स मिस्त्री विशेष उर्फ बाबूराम से वर्ष 2013 में की थी। जिससे उसके पांच बच्चे हैं। बताया कि वर्तमान में उसकी बहन का परिवार सीमांत गांव दिबदिबा में कुछ वर्षों से रह रहा है।आरोप है कि शादी के बाद से ही उसकी बहन और जीजा में छोटी छोटी बातों को लेकर विवाद होता रहता था। जिसको लेकर वह दो माह पूर्व बहन को अपने साथ घर ले आया था, कुछ जिम्मेदार व्यक्ति के कहने पर उन्होंने बहन को भेज दिया।गुरुवार की रात साढ़े आठ बजे उसने जब बहन से बात करने के लिए फोन लगाया तो, उसके जीजा ने दो बार कॉल उठाकर घर से बाहर होने की बात कहकर फोन काट दिया। लगभग साढ़े नौ बजे उसके जीजा ने फोन कर बताया कि उसकी बहन ने फांसी लगा ली है।इससे परिवार में हड़कंप मच गया। साथ ही परिजन मौके पर पहुंच गए, जहां पुलिस पहले ही पहुंच चुकी थी। आरोप है कि बहन की हत्या कर फांसी के फंदे पर लटकाया गया है।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक जीत सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर अग्रिम कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जिलाधिकारी द्वारा विकासखण्ड क्षेत्र ललौरीखेडा के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का किया औचक निरीक्ष

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव द्वारा आज विकासखण्ड क्षेत्र ललौरीखेडा के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कक्षा में पहुंचकर छात्राओं से संवाद कर शिक्षा के स्तर को परखा, साथ ही कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर करने हेतु विशेष ध्यान रखें, ताकि छात्राओं का भविष्य उज्जवल हो सके। उन्होंने कहा कि पठन-पाठन का कार्य सभी अध्यापक/अध्यापिकाऐं समय सारिणी के अनुसार करें, जिससे शिक्षा के स्तर को और बेहतर किया जा सके, कहा कि लापरवाही किसी भी दशा में क्षम्य नहीं होगी। उन्होंनें तत्पश्चात रसोईघर एवं छात्रावास को देखा। निरीक्षण के दौरान भोजन की गुणवत्ता देखी, जिस पर जिलाधिकारी ने वार्डन को हरी सब्जी एवं निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन बनाने के निर्देश दिये, कहा कि भोजन की गुणवत्ता में लापरवाही न बरती जाये। साथ ही छात्रावास में विद्युत, नहाने हेतु पानी, बिस्तर की साफ सफाई आदि के सम्बन्ध में जानकारी ली। इस दौरान उप जिलाधिकारी सदर, प्रधानाचार्य, अध्यापिकाऐं, वार्डन उपस्थित रहे।

भावुक माहौल में बैंक ऑफ बड़ौदा के शाखा प्रबंधक को दी विदाई

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / मझोला। Bank of Baroda मझोला शाखा के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक आशुतोष श्रीवास्तव के लखनऊ जोन में स्थानांतरण होने पर नगर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान व्यापारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने उन्हें शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर भावभीनी विदाई दी।

कार्यक्रम का नेतृत्व राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल ने किया। वक्ताओं ने कहा कि आशुतोष श्रीवास्तव ने अपने कार्यकाल में बैंकिंग सेवाओं को सरल और ग्राहकों के लिए सहज बनाने का कार्य किया। उनके व्यवहार और कार्यशैली की सभी ने सराहना की।

भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री रामानंद सिंह एडवोकेट ने कहा कि उन्होंने हमेशा आम लोगों के कार्यों को प्राथमिकता दी। वहीं कपिल अग्रवाल ने कहा कि वे हर समय ग्राहकों की मदद के लिए तत्पर रहते थे।

कार्यक्रम में मौजूद व्यापारियों और नागरिकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंत में आशुतोष श्रीवास्तव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस परिवार को समयदेने से बढ़ेगी आपकी ताकत, सोशल मीडिया को न घोलने दें रिश्तों में जहर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस की शुरुआत साल 1993 में की गई थी। जिसका मकसद परिवार की अहमियत और समाज में उसकी भूमिका को मजबूत करना था। साथ ही लोगों में परिवार के प्रति भावनात्मक लगाव पैदा किया जा सके। डिजिटल दौर ने एक घर में रहते हुए भी परिवार के सदस्यों को एक-दूसरे से दूर कर दिया है। जिसका असर पारिवारिक रिश्तों पर भी दिखाई देने लगा है। भारत जैसे देश में परिवार महज रिश्तों की कड़ी नहीं बल्कि संस्कार, सहयोग और भावनात्मक सुरक्षा का आधार माना जाता है। लिहाजा बदले दौर में परिवार और उसके रिश्तों की अहमियत को बचाना भी अब लोग जरूरी मानने लगे हैं। बरेली के सीबीगंज में रहने वाली नताशा गुप्ता का कहना है कि सोशल मीडिया और भागदौड़ भरी जिंदगी के दौर में लोग अपनों को समय देना भूलते जा रहे हैं। जबकि परिवार ही वह जगह है जहां हर परेशानी का समाधान और सुकून मिलता है। उनका मानना है कि रिश्तों में प्यार और विश्वास बनाए रखने के लिए परिवार के साथ समय बिताना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल करें मगर परिवार को भी समय देना चाहिए। वहीं डेलापीर के रहने वाले शिक्षक आलोक सेठ के मुताबिक परिवार ही इंसान की सबसे बड़ी ताकत होता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छे संस्कार और बुजुर्गों को सम्मान तभी मिल सकता है जब परिवार एकजुट रहे। उनका मानना है कि छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज कर रिश्तों को संभालना चाहिए। इज्जतनगर निवासी रोहित सक्सेना का कहना है कि मोबाइल और सोशल मीडिया के दौर में परिवार के साथ बैठकर बातचीत करने की आदत कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर परिवार के लोग दिन में कुछ समय भी साथ बैठें तो रिश्तों में अपनापन और मजबूती बनी रहती है।

24 घंटे में राहत, पीड़ित परिवारों तक पहुँची सरकार की मदद

आंधी-तूफान से प्रभावित परिवारों को मिला मुआवजा, प्रभारी मंत्री ने वितरित की सहायता राशि

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । दैवीय आपदा से प्रभावित परिवारों को राहत देने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए पीड़ितों के खातों में सहायता राशि भेजने की कार्रवाई पूरी की।

आंवला तहसील सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सहकारिता विभाग एवं जनपद प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने दैवीय आपदा, मुख्यमंत्री कृषक एवं खेत-खलिहान दुर्घटना सहायता योजना के तहत लाभार्थियों को सहायता राशि वितरित की। हाल ही में आए आंधी-तूफान से हुई जनहानि, पशुहानि और मकान क्षति की घटनाओं का राजस्व एवं प्रशासनिक टीम ने तत्काल संज्ञान लिया। जनहानि के मामलों में हर्रामपुर निवासी देवकी और बेहटा जूनो निवासी लीपी के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि दी गई। वहीं मकान क्षति के 30 पीड़ितों को कुल 1 लाख 62 हजार रुपये तथा पशुहानि से प्रभावित 9 लोगों को भी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई।

कार्यक्रम में बताया गया कि पिछले वित्तीय वर्ष में 457 पीड़ितों को 2 करोड़ 4 लाख 65 हजार रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई थी। इसके अलावा ग्राम डरूआपुर में अग्निकांड से गेहूं की फसल नष्ट होने वाले किसानों को मुख्यमंत्री खेत-खलिहान दुर्घटना सहायता योजना के अंतर्गत राहत दी गई। 10 किसानों को कुल 2 लाख 29 हजार 973 रुपये वितरित किए गए।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत भी कई लाभार्थियों को सहायता राशि प्रदान की गई। सात लाभार्थियों को 5-5 लाख रुपये तथा एक दिव्यांग लाभार्थी को ढाई लाख रुपये की सहायता दी गई। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2019 से लागू इस योजना के अंतर्गत अब तक जनपद के 1496 किसानों को 72 करोड़ 47 लाख 80 हजार रुपये की सहायता राशि दी जा चुकी है। पिछले वित्तीय वर्ष में 244 लाभार्थियों को 10 करोड़ 80 लाख 40 हजार रुपये वितरित किए गए, जिनमें 196 महिलाएं शामिल रहीं।

इस अवसर पर विधायक डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह, जिलाधिकारी अविनाश सिंह, एडीएम संतोष कुमार सिंह, एसडीएम विदुषी सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

समायोजन सूची में अनेक खामियां,संगठन ने की काउंसलिंग कराने की मांग

जूनियर में आदेश के बावजूद भी सब्जेक्ट मैपिंग लागू नहीं

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली।उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बरेली की इकाई ने शुक्रवार को समयोजन संबंधित अनेक समस्याओं और मांगो को लेकर जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा एवं उसके उपरांत प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से भी वार्ता की।जिला अध्यक्ष जितेंद्र गंगवार ने मांग की है,समायोजन उपरांत विद्यालय आवंटन से पूर्व महिला शिक्षिकाओं के साथ साथ पुरुष शिक्षकों की भी काउंसलिंग कराई जाए,जिससे शिक्षकों को सुविधानुसार स्कूल मिल सके एवं जनपद के अनेक उच्च प्राथमिक विद्यालयों में एक ही विषय के एकाधिक शिक्षक कार्यरत हैं। अत: ऐसे विद्यालयों में सरप्लस शिक्षक का चयन करते समयविषयवारआवश्यकता का विशेष ध्यान रखा जाए, उसी विषय के अतिरिक्त शिक्षकों को ही सरप्लस माना जाए।जिला अध्यक्ष ने बताया किसी भी शिक्षक के साथ गलत नहीं होने दिया जायेगा।मांडलिक मंत्री रुचि सैनी ने बताया कि आदेशानुसार जहां 30 अप्रैल 2026 तक दो शिक्षक कार्यरत हैं, वहां पुन तैनाती नहीं की जाएगी,इसका ध्यान रखा जाए। केवल उन्हीं विद्यालयों में समायोजन किया जाए जहां उक्त तिथि तक दो शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। वहीं कुछ शिक्षकों ने आरोप लगाया है कि पूर्व माध्यमिक विद्यालय रजऊ में भाषा के 7 शिक्षक कार्यरत हैं, तीन भाषा के पद हैं।जबकि किसी का नाम समायोजन में नहीं है और ऐसा कई स्कूल में ऐसा हुआ है।वही वि चैनपुर के कई स्कूल में पचास बच्चे से कम हैं, वहां दो शिक्षक कार्यरत हैं । फिर भी एक पद और पद स्वीकृत दिखा रखा है।जिला मंत्री गिरजेश कुमार द्वारा भदपुरा ब्लॉक का संगठन विस्तार किया गया।जिसमें ब्लॉक वरिष्ठ उपाध्यक्ष इंद्रपाल,संयुक्त मंत्री संजीव कुमार,महिला उपाध्यक्ष वंदना गुप्ता एवं अनेक पदाधिकारी की घोषणा की गई।

जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र गंगवार ने मांग की सरप्लस शिक्षकों के निर्धारण के लिए एक समान मानक अपनाया जाए। कहीं वरिष्ठ शिक्षक एवं कहीं कनिष्ठ शिक्षक और किसी ब्लॉक में हेड को सरप्लस में दिखाया गया है और किसी ब्लॉक में नहीं जबकि आदेशानुसार हेड का समायोजन नहीं होना है अत: जारी लिस्ट में एकरूपता लाई जाए। ब्लॉक फरीदपुर के हमारे दो शिक्षक साथी सड़क दुर्घटना में आकस्मिक घटना में मृत्यु हो गई है।संगठन ने दो मिनट का मौन रखकर शोक संवेदना व्यक्त की।

ज्ञापन देने बालों में जिला मंत्री गिरजेश कुमार,जिला संयुक्त मंत्री प्रमोद कुमार,जिला उपाध्यक्ष अरविंद गंगवार,जिला संगठन मंत्री अतुल सिंह एवं अरुण गंगवार एवं हेमेंद्र गंगवार ,जिला प्रचार मंत्री बचन सिंह,जिला उपाध्यक्ष गौरव गुप्ता,जिला प्रचार मंत्री धीरेंद्र चौहान,जिला प्रवक्ता अरविंद कुमार,जिला उपाध्यक्ष शुमायला खान,दमखोदा के अध्यक्ष राजप्रकाश गंगवार, भदपूरा के अध्यक्ष सोम पाल जी,मंत्री अमित गंगवार,ब्लॉक मंत्री अजय कुमार , प्रदीप पुष्कर,इंद्रपाल गंगवार,सुनील कुमार,राहुल गंगवार,सनी ग्वाल, नेहा,साक्षी कटियार,मोनी,सहित तमाम शिक्षक रहे।

स्थायी लोक अदालत में निकली पेशकार की भर्ती, 25 मई तक करें आवेदन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। स्थायी लोक अदालत, बरेली में रिक्त पेशकार पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर यह भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। इस पद के लिए वही अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे जो दीवानी न्यायालय या कलेक्ट्रेट न्यायालय से सेवानिवृत्त कर्मचारी हों और जिनकी आयु 65 वर्ष से अधिक न हो। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बरेली की ओर से जारी सूचना के अनुसार इच्छुक अभ्यर्थी अपने भरे हुए आवेदन पत्र 25 मई 2026 तक किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बरेली में जमा कर सकते हैं। आवेदन पत्र का प्रारूप भी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बरेली कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि अंतिम तिथि के बाद किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

ताज होटल में छात्रा संग रुका था मुजाहिद कमरे का शर्मसार नजारा देख पुलिस भी रह गई दंग

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर उस समय हड़कंप मच गया जब नैनीताल फोरलेन हाईवे पर मौजूद ताज होटल में नाबालिग आईटीआई छात्रा के साथ एक मुस्लिम युवक रात भर रुका। हिंदू संगठन को जब इसकी जानकारी हुई तो वह पुलिस के साथ मौके पर पहुंचा। कमरे के अंदर दोनों को जिस हालत में पकड़ा, उसे देखकर पुलिस शर्मसार हो गई। यह देखकर हिंदू संगठन ने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ने नाबालिग छात्रा के घर वालों को बुलाया है। वाराणसी की रहने वाली किशोरी यहां से आईटीआई कर रही है। उसकी यहां के मुजाहिद नाम के युवक से जान पहचान हो गई। आरोप है कि मुजाहिद ने उसे प्रेमजाल में फंसा लिया और उसे बहला फुसलाकर नैनीताल रोड डंडिया गांव स्थित होटल ताज में ले गया और रात भर वही रुका। सुबह करीब 5 बजे हिन्दू जागरण मंच के जिलाध्यक्ष हिमांशु पटेल कार्यकर्ताओं के साथ होटल पहुंच गए। यहां मुस्लिम युवक मुजाहिद को नाबालिग छात्रा के साथ आपत्तिजनक हालत में देखा। उन्होंने वहां हंगामा किया तो सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई।हिमांशु पटेल ने इस मामले को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पुलिस से इस मामले की सोशल मीडिया के जरिए शिकायत कर युवक मुजाहिद और होटल मालिक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने होटल के रजिस्टर और सीसीटीवी भी चेक कर जांच शुरू कर दी है। हिमांशु पटेल का कहना है कि बिना किसी सत्यापन के नाबालिग लड़की को क्यों रुकने दिया गया। पुलिस किशोरी और युवक को थाने ले आई। किशोरी के बयान लेने के साथ पुलिस ने उसके घर वालों को सूचित कर बुलाया है। आरोपी युवक बिरयानी बेचने का काम करता है।

लीलौर झील के लिए रोडवेज बस सेवा शुरू करने की तैयारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। आंवला के रामनगर क्षेत्र में स्थित लीलौर झील, भीमगदा और धार्मिक स्थलों पर बढ़ रही पर्यटकों की आवाजाही को देखते हुए प्रशासन पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की तैयारी में है। नॉर्थ कॉरिडोर योजना के तहत लीलौर झील में गेस्ट हाउस निर्माण, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और रोडवेज बस सेवा शुरू कराने की कवायद तेज कर दी गई है।

जिलाधिकारी अविनाश सिंह के मुताबिक लीलौर झील और भीमगदा, जैन मंदिर जैसे प्राकृतिक एवं पौराणिक महत्व वाले स्थलों पर बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। खासकर छुट्टियों और सप्ताहांत पर यहां लोगों की भीड़ लगातार बढ़ रही है। इसी को देखते हुए रोडवेज अधिकारियों से वार्ता की जाएगी,

ताकि क्षेत्र के लिए नियमित बस सेवा शुरू हो सके। महाभारत काल से जुड़े भीमगदा स्थल को देखने के लिए दूर-दूर से लोग पहुंच रहे हैं। प्रशासन का मानना है कि भीमगदा, लीलौर झील और जैन मंदिर को एक पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित किया जाए तो क्षेत्र की पहचान और मजबूत होगी। जैन मंदिर पहले से ही लोगों के लिए आस्था का केंद्र रहा है। लीलौरी झील पर पर्यटकों के ठहरने के लिए गेस्ट हाउस बनाए जाने की योजना तैयार की जा रही है। इसके साथ ही पार्किंग, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल और सुरक्षा जैसी सुविधाओं को भी बेहतर किया जाएगा।

बरेली-शाहजहांपुर हाइवे पर दर्दनाक हादसा, बेकाबू ट्रक ने दो अध्यापकों को रौंदा, मौके पर मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली-शाहजहांपुर हाइवे पर फरीदपुर टोल प्लाजा के पास एक भीषण सड़क हादसे में बेसिक शिक्षा विभाग के दो शिक्षकों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के समय दोनों शिक्षक अपनी परीक्षा ड्यूटी के लिए जा रहे थे, तभी एक बेकाबू ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। हादसे के बाद आरोपी चालक ट्रक समेत मौके से फरार हो गया।

मृतक शिक्षकों की पहचान पीके यादव और प्रमोद यादव के रूप में हुई है। पीके यादव बरेली शहर के सिविल लाइंस इलाके के रहने वाले थे, जबकि प्रमोद यादव मुंशीनगर के निवासी थे। दोनों शिक्षक फरीदपुर ब्लॉक के लोंगपुर प्राथमिक विद्यालय में एक साथ तैनात थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों शिक्षक अपनी बाइक से परीक्षा ड्यूटी पर जा रहे थे। फरीदपुर टोल प्लाजा के पास पहुँचते ही पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों शिक्षकों की मौके पर ही जान चली गई।सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस फरार ट्रक ड्राइवर की तलाश में जुट गई है और टोल प्लाजा के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। इस दुखद घटना की खबर जैसे ही मृतकों के परिजनों को मिली, उनके घरों में कोहराम मच गया।

470 ग्राम चरस के साथ शातिर तस्कर गिरफ्तार पुलिस ने भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / नाजिम हुसैन / ठाकुरद्वारा में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने 470 ग्राम अवैध चरस के साथ एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज बताए जा रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ग्राम फरीदनगर निवासी शाहरुख पुत्र इस्लाम को गिरफ्तार किया। आरोपी को मुरादाबाद-काशीपुर रोड से फरीदनगर की ओर जाने वाले नहर मार्ग पर दबोचा गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी के कब्जे से 470 ग्राम अवैध चरस बरामद हुई। जिसपर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि अधिक मुनाफे के लालच में वह चोरी-छिपे चरस की खरीद-फरोख्त करने लगा था। उसने पुलिस के सामने अपनी गलती स्वीकार करते हुए भविष्य में ऐसा काम न करने की बात कही। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ चोरी, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट समेत कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि नशे के कारोबारियों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक मनोज परमार, उपनिरीक्षक मनीष कुमार, उपनिरीक्षक किरन्त पंवार और आरक्षी आशीष शामिल रहे।

कोंच से उरई जा रही बस खाई में पलटी, महिला की मौत, 20 यात्री गंभीर; खिड़कियां तोड़कर निकाले गए घायल

कोंच से उरई आ रही एक तेज रफ्तार प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई। हादसे के समय बस में लगभग 40 से 50 यात्री सवार थे। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और यात्रियों में अफरा-तफरी फैल गई। कोंच-उरई मार्ग पर शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे में रफ्तार का कहर देखने को मिला। सवारियों से खचाखच भरी एक तेज रफ्तार प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरी खाई में पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर मची चीख-पुकार सुनकर दौड़े ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को बस से बाहर निकाला।तेज रफ्तार बनी काल, अनियंत्रित होकर पलटी बस- प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्राइवेट बस कोंच से सवारियां भरकर उरई की ओर आ रही थी। बस की रफ्तार काफी तेज थी। रास्ते में अचानक चालक नियंत्रण खो बैठा और बस लहराते हुए सीधी गहरी खाई में जा गिरी। बस पलटते ही भीतर बैठी सवारियों में कोहराम मच गया। करीब 40 से 50 यात्री बस के भीतर फंसे हुए थे, जो जान बचाने के लिए गुहार लगा रहे थे।देवदूत बनकर पहुंचे ग्रामीण, घायलों को निकाला बाहर- हादसे की आवाज सुनते ही आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने बिना समय गंवाए बस के शीशे और खिड़कियां तोड़कर घायलों को बाहर निकालना शुरू किया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और सीओ परमेश्वर प्रसाद भी बल के साथ पहुंच गए। आनन-फानन में एंबुलेंस के जरिए सभी घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया गया, जहाँ कई की हालत नाजुक बनी हुई है।सड़क पर पसरा मातम, महिला की गई जान- इस दुर्घटना में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। महिला की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, घायलों में बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। जिला अस्पताल में घायलों के पहुंचते ही अफरा-तफरी का माहौल रहा, डॉक्टरों की टीम को तत्काल इमरजेंसी में तैनात किया गया। जांच के घेरे में बस संचालन- कोंच-उरई मार्ग पर बसों की बेलगाम रफ्तार लंबे समय से चर्चा का विषय रही है। बताया गया कि इस मार्ग पर प्रतिदिन करीब 50 बसों का संचालन होता है। समय पर पहुंचने और सवारियां बैठाने की होड़ में बस चालक अक्सर यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाते हैं। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि हादसा तकनीकी खराबी की वजह से हुआ या चालक की लापरवाही के कारण।

हादसे में तीन दोस्तों की मौत से सिसक उठे गांव, एक साथ उठीं तीन अर्थियां तो हर आंख हुई नम

अमेठी में हादसे में तीन दोस्तों की मौत से गांव सिसक उठे। एक साथ तीन अर्थियां उठीं तो हर आंख नम दिखी। मां, बहन और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।यूपी के अमेठी में टांडा-बांदा हाईवे पर हुए सड़क हादसे ने दो गांवों की खुशियां पलभर में छीन लीं। वरीक्षा कार्यक्रम में शामिल होने निकले तीन दोस्त घर वापस नहीं लौट सके। हादसे में रिश्ते में चाचा-भतीजा अंकित और अर्जुन के साथ उनके दोस्त करन की मौत के बाद शुक्रवार को दोनों गांवों में मातम पसरा रहा। एक साथ उठीं तीन अर्थियों ने हर किसी की आंखें नम कर दीं।सुल्तानपुर के अंकारीपुर घसीटू का पुरवा गांव में सुबह से ही लोगों की भीड़ जुटने लगी थी। अंकित और अर्जुन के शव गांव पहुंचते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मां और बहनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। परिवार के लोग बार-बार यही कहते रहे कि कुछ घंटे पहले हंसते-बोलते घर से निकले दोनों युवक अब कभी वापस नहीं लौटेंगे। गांव के बुजुर्ग और महिलाएं परिजनों को ढांढस बंधाने में जुटे रहे, लेकिन पूरे गांव में गमगीन माहौल बना रहा।उधर, पूरब दुआरा गांव में करन की मौत के बाद सन्नाटा पसरा रहा। घर के बाहर जुटी महिलाओं की सिसकियां माहौल को और भारी कर रही थीं। पोस्टमार्टम के बाद करन का शव पूरब दुआरा गांव और अंकित व अर्जुन का शव अंकारीपुर घसीटू का पुरवा गांव पहुंचा। देर शाम तीनों का अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। बेटों को पुकारती रहीं मांएं, गूंजती रहीं सिसकियां- करन की मां किस्मता बिलखते हुए बार-बार यही कहती रहीं कहा था अभी आ रहा हूं, कहां चला गया बेटा। मां की पुकार सुन वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। ग्रामीण महिलाएं उन्हें संभालने का प्रयास करती रहीं, लेकिन बेटे का चेहरा देखते ही वह बेसुध हो जाती थीं। बहन पल्लवी और भाई आदित्य भी गहरे सदमे में दिखे। पिता रमई बेटे की मौत से गमगीन रहे। अंकित की मां चंद्रावती रोते हुए कहती रहीं कि उन्होंने बेटे को रात में बाहर जाने से मना किया था, लेकिन वह दोस्तों के साथ चला गया। वह बार-बार यही कहती रहीं कि जल्दी लौट आऊंगा कहकर गया था। बहनों कमलेश, पूनम, मीरा, गौरी और गरिमा का रो-रोकर बुरा हाल रहा। अर्जुन की मां सरोज बार-बार बेसुध हो जा रही थीं। होश में आते ही बेटे का नाम लेकर पुकारने लगतीं। भाई मनीष और बहन काजल भी गहरे सदमे में रहे। पिता नंदलाल और नाना त्रिवेणी पूरे समय गमगीन बैठे रहे। साथ जीने वाले दोस्त, साथ ही छोड़ गए दुनिया- ग्रामीणों के मुताबिक, तीनों दोस्त हमेशा साथ रहते थे। गांव में किसी भी कार्यक्रम, कामकाज या घूमने-फिरने में तीनों एक साथ दिखाई देते थे। किसी ने नहीं सोचा था कि एक हादसा तीन घरों के चिराग बुझा देगा। ट्रिपलिंग और लापरवाही बन रही हादसों की वजह- सेवानिवृत्त परिवहन कर्मी रामशिरोमणि ने बताया कि बाइक पर ट्रिपलिंग करने से संतुलन बिगड़ने का खतरा बढ़ जाता है। तेज रफ्तार, गलत दिशा में वाहन चलाना और लापरवाही सड़क हादसों की प्रमुख वजह बन रही है। यातायात नियमों का पालन कर ऐसे हादसों से बचाव संभव है। बाइक चलाते समय रखें ये सावधानियां बाइक पर दो से अधिक लोग सवारी न करें हेलमेट पहनकर ही वाहन चलाएं तेज रफ्तार और गलत दिशा में वाहन चलाने से बचें ओवरटेक करते समय सावधानी बरतें मोबाइल फोन का प्रयोग करते समय वाहन न चलाएं रात में वाहन चलाते समय सतर्क रहें यातायात नियमों का पालन करें मुख्यमंत्री ने जताया शोक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे में तीन युवकों की मौत पर दुख जताते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

पेड़ से टकराई स्कॉर्पियो, सामाजिक न्याय पार्टी के युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष समेत तीन की मौत

सामाजिक न्याय पार्टी के युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शेखर कश्यप, उनके भाई अमन और एक अन्य स्कॉर्पियो में सवार होकर जा रहे थे। नानौता के पास दर्दनाक हादसे में तीनों की मौके पर मौत हो गई। परिजनों में शोक का माहौल है।सहारनपुर जनपद के नानौता थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसे में सामाजिक न्याय पार्टी के युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शेखर कश्यप और उनके भाई समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ, जब उनकी स्कार्पियो कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतरी और आम के पेड़ से जा टकराई। इस दुखद घटना ने उनके परिजनों में शोक की लहर दौड़ा दी है।जानकारी के अनुसार, यह हादसा नानौता के पास हुआ। तेज रफ़्तार स्कार्पियो कार अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क के किनारे एक आम के पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और कार में सवार लोगों को बाहर निकालना भी मुश्किल हो गया। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से कार से शवों को बाहर निकाला गया।मृतकों की पहचान- इस दुर्घटना में मारे गए लोगों की पहचान सामाजिक न्याय पार्टी के युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शेखर कश्यप, उनके सगे भाई अमन और एक अन्य पारिवारिक सदस्य के रूप में हुई है। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन तेज रफ़्तार और संभवतः चालक की लापरवाही को इसका मुख्य कारण माना जा रहा है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है और सड़क की स्थिति का भी जायजा लिया जा रहा है।इस दुखद घटना से सामाजिक न्याय पार्टी को गहरा सदमा लगा है और पार्टी कार्यकर्ताओं में शोक की लहर है। पार्टी नेताओं ने मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

संक्षिप्त समाचार

सहकारिता विभाग में घोटाले का खेल, खाद वितरण से लेकर लाखों की हेराफेरी तक जांच में खुली पोल!

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । नवाबगंज तहसील क्षेत्र में सहकारिता विभाग से जुड़ा बड़ा मामला सामने आया है। उत्तर प्रदेश सहकारी विभाग के निर्देश पर गठित संयुक्त जांच टीम ने बहुउद्देशीय सहकारी समितियों में भारी अनियमितताओं का खुलासा किया है। जांच में सामने आया कि कई समितियों में खाद वितरण के नाम पर गड़बड़ी की गई, जबकि लाखों रुपये के गबन और वित्तीय अनियमितताओं के आरोप भी लगे हैं। रिपोर्ट के अनुसार ग्राम पंचायतों में किसानों को खाद वितरण में पारदर्शिता नहीं बरती गई। कई लाभार्थियों के नाम पर भुगतान दिखाया गया, जबकि मौके पर स्थिति अलग मिली। इतना ही नहीं, जांच में कुछ समितियों में लाखों रुपये की वित्तीय अनियमितताओं के दस्तावेज भी सामने आए हैं। टीम ने संबंधित सचिवों और कर्मचारियों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कार्रवाई की संस्तुति की है।

श्री हरि मंदिर में 17 से होगी श्रीमद्भागवत

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्री हरि मंदिर, मॉडल टाउन में 17 से 23 मई तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा व्यास आचार्य अमन कृष्ण शास्त्री महाराज प्रतिदिन शाम पांच बजे से रात नौ बजे तक श्रद्धालुओं को भागवत कथा का रसपान कराएंगे। 16 मई को शाम पांच बजे भव्य कलश यात्रा के साथ निकाली जाएगी, जो श्री हरि मंदिर पर संपन्न होगी। 22 मई को रुक्मणी विवाह और 23 मई को सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष तथा फूलों की होली का आयोजन होगा।

30 दिन में दर्ज कराएं आपत्ति, मीरापुर में बनेगा आतिशबाजी गोदाम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। आतिशबाजी और सेफ्टी फ्यूज के गोदाम निर्माण को लेकर प्रशासन ने सार्वजनिक सूचना जारी की है। जिला प्रशासन ने साफ किया है कि यदि किसी व्यक्ति को प्रस्तावित गोदाम निर्माण पर कोई आपत्ति है, तो वह अगले 30 दिनों के भीतर जिलाधिकारी कार्यालय में अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है। बताया गया है कि तहसील मीरगंज के थाना फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र के ग्राम मीरापुर स्थित खसरा/गाटा संख्या-287 पर महाकाल ट्रेडर्स प्रोपराइटर शशांक अग्रवाल द्वारा आतिशबाजी और सेफ्टी फ्यूज रखने के लिए गोदाम निर्माण की स्वीकृति मांगी गई है। यह प्रस्ताव पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन यानी पेसो, आगरा कार्यालय की ओर से जिला प्रशासन को भेजा गया है, जिस पर अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रक्रिया चल रही है। जिला मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह ने कहा है कि यदि किसी ग्रामीण या अन्य व्यक्ति को सुरक्षा, जनहित या किसी अन्य कारण से इस निर्माण पर आपत्ति है, तो वह किसी भी कार्यदिवस में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

मोहब्बत का दर्दनाक अंत: जहर खाकर थाने पहुंचा प्रेमी जोड़ा, प्रेमिका की मौत; युवक की हालत गंभीर

मैनपुरी में प्रेमी जोड़े को घरवाले पकड़कर थाने लाए, जहां अचानकर दोनों की हालत बिगड़ गई। लड़की बेहोश हो गई। परिजन अस्पताल में लेकर पहुंचे, जहां प्रेमिका को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि युवक की हालत नाजुक बनी हुई है।मैनपुरी के औंछा कस्बे की रहने वाली एक किशोरी शुक्रवार दोपहर विवाहित प्रेमी के साथ जहर खाकर थाने की दहलीज तक पहुंची। अचानक अचेत होकर गिर गई तो लड़के के परिजन पास ही एक चिकित्सक के यहां ले गए। वहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। युवक को जिला अस्पताल से पीजीआई सैफई रेफर किया गया है। एसपी ग्रामीण ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई, बताया कि सभी तथ्यों पर जांच की जा रही है।थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी बृहस्पतिवार को पड़ोस के गांव निवासी विवाहित युवक के साथ चली गई थी। परिजन ने युवक के खिलाफ थाने में तहरीर दी थी। परिजन व पुलिस दोनों को ढूंढने व वापस लाने के लिए दबाव बनाने का प्रयास कर रहे थे। दोनों जनपद एटा के आसपुर क्षेत्र में लड़के के परिजन को मिल गए। शुक्रवार की दोपहर परिजन दोनों को लेकर थाना औंछा आ रहे थे। थाने में प्रवेश करने से पहले ही किशोरी की तबियत बिगड़ गई और वह अचेत होकर गिर गई।यह देख युवक व परिजन उसे पास ही एक चिकित्सक के यहां ले गए। वहां चिकित्सक ने किशोरी को मृत घोषित कर दिया। युवक की हालत भी बिगड़ने लगी तो परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। वहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद पीजीआई सैफई रेफर कर दिया गया। एसपी ग्रामीण अभिषेक तिवारी ने मौके पर पहुंच कर मृतका के परिजन से जानकारी ली। बाइक सवार पुत्री को एक दुकान पर छोड़ कर चले गए- मृतका किशोरी के पिता ने थाने में तहरीर दी।

डीएम-एसपी की अनोखी पहल, हटाई एस्कॉर्ट गाड़ियां... बोले- ईंधन बचाना देश सेवा

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा /जालौन में जिला प्रशासन ने एक अनूठी और प्रेरणादायक पहल करते हुए बड़ा संदेश दिया है। जनपद के डीएम राजेश कुमार पाण्डेय और एसपी विनय कुमार सिंह ने अपनी सुरक्षा में लगी एस्कॉर्ट गाड़ियों को हटाकर ईंधन बचाने का संदेश दिया।

देश के प्रधानमंत्री की अपील के बाद डीएम राजेश कुमार पाण्डेय ने खुद पहल करते हुए कलेक्ट्रेट के पास स्थित ऑफिसर्स कॉलोनी से पैदल कलेक्ट्रेट तक आने की अपील अधिकारियों से की।

डीएम ने कहा कि ईंधन बचाना समय की जरूरत है और इसकी शुरुआत हम सभी को खुद से करनी होगी। वहीं एसपी विनय कुमार सिंह ने भी अपनी सुरक्षा में लगी गाड़ी हटाकर प्रशासनिक अधिकारियों के सामने मिसाल पेश की।

डीएम और एसपी की इस पहल की जनपद में जमकर चर्चा हो रही है। लोगों का कहना है कि अगर अधिकारी खुद आगे आकर ऐसे कदम उठाएंगे तो आम जनता भी निश्चित रूप से प्रेरित होगी।

पूरा मामला जालौन मुख्यालय उरई स्थित डीएम और एसपी कार्यालय से जुड़ा है, जहां दोनों अधिकारियों ने सादगी और जिम्मेदारी का परिचय देते हुए बड़ा संदेश दिया है।

अवैध उत्खनन पर करैरा पुलिस की कार्रवाई, जेसीबी मशीन जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले में अवैध उत्खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना करैरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध खनन में लगी एक जेसीबी मशीन जब्त कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है। मामले को आगे की वैधानिक प्रक्रिया हेतु खनन विभाग शिवपुरी को भेजा गया है।

पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में जिले में अवैध उत्खनन करने वालों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं एसडीओपी डॉ. आयुष जाखड़ के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी करैरा निरीक्षक विनोद सिंह छावई एवं उनकी टीम सक्रिय रूप से अभियान चला रही है।

जानकारी के अनुसार 14 मई 2026 को थाना करैरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम दौनी स्थित म्हावरा घाट के पास एक व्यक्ति जेसीबी मशीन से अवैध उत्खनन कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां एक व्यक्ति जेसीबी से अवैध खनन करता मिला। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगा, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया।

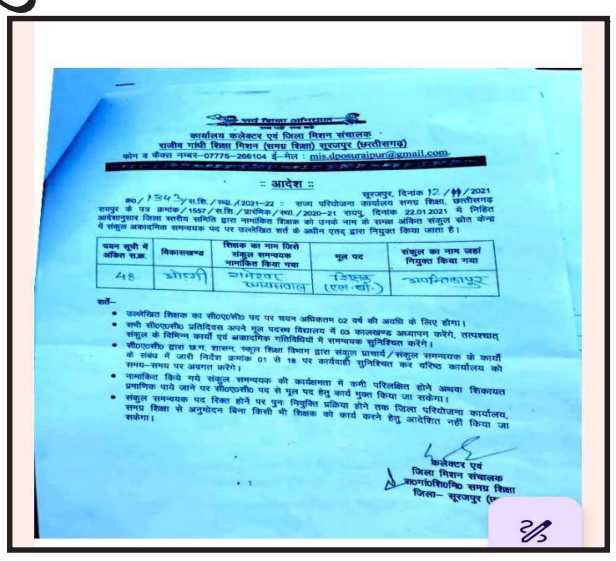

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम खैमु केवट पुत्र गुलाव केवट उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम अंदौरा, चौकी सुनारी थाना करैरा बताया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से जेसीबी मशीन को विधिवत जब्त कर प्रकरण दर्ज किया तथा आगे की कार्रवाई के लिए खनन विभाग शिवपुरी को भेज दिया। आरोपी से पूछताछ जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद छावई, उपनिरीक्षक चेतन शर्मा चौकी प्रभारी सुनारी, आरक्षक हरेन्द्र सिंह, मत्स्येन्द्र गुर्जर एवं सुरेन्द्र रावत की सराहनीय भूमिका रही।

शिक्षा विभाग की मेहरबानी या रसूख का खेल?

2 साल के कार्यकाल वाले पद पर 6 साल से कुंडली मारे बैठा है जन शिक्षक

क्यूँ न लिखूँ सच /सूरजपुर से सुशासन को शर्मसार करने वाली खबर है। अवंतिकापुर में पदस्थ जन शिक्षक का गृह ग्राम भी यही है। लोकल होने का फायदा उठाकर ये पिछले 20 साल से प्रधान पाठक और 6 साल से जन शिक्षक की कुर्सी पर अवैध कब्जा जमाए बैठा है। नियम कहते हैं कार्यकाल 2 साल, पर रसूख के दम पर 6 साल से पद पर हैं। स्

कूल में 70% फेल, और जमीनों पर अवैध कब्जे , एवं पारिवारिक ज़मीन चोरी चुपके हड़पने का लगा है आरोप

मामला सूरजपुर जिले श्स्रद्दद्ध विकासखंड की ग्राम पंचायत अवंतिकापुर का है। यहाँ पदस्थ जन शिक्षक का गृह ग्राम भी अवंतिकापुर ही है। लोकल होने का फायदा उठाकर ये पिछले 20 साल से लगातार एक ही स्कूल में प्रधान पाठक बने हुए हैं। 2021 में इन्हें जन शिक्षक बनाया गया। नियुक्ति पत्र में कार्यकाल स्पष्ट 2 वर्ष लिखा है। यानी मई 2023 में हट जाना था। लेकिन मई 2026 में भी ये दोनों पदों पर काबिज हैं।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक
राजीव गांधी शिक्षा मिशन (समग्र शिक्षा) सूरजपुर (छत्तीसगढ़)
फोन व फैक्स नम्बर-07775-266104 ई-मेल : mis.dposurajpur@gmail.com
:: आदेश ::
सूरजपुर, दिनांक 12/ /2021

चयन सूची में अंकित स.क्र.	विकासखण्ड	शिक्षक का नाम जिसे संकुल समन्वयक नामांकित किया गया	मूल पद	संकुल का नाम जहां नियुक्त किया गया
48	ओड़गी	रामेश्वर जायसवाल	शिक्षक (एल.बी.)	अवन्तिकापुर

कलेक्टर एवं
जिला मिशन संचालक
रा०गां०शि०मि० समग्र शिक्षा
जिला- सूरजपुर

20 साल के लोकल दबदबे का नतीजा- स्कूल में 10वीं-12वीं के 50% से 70% बच्चे फेल। पूरे क्षेत्र का रिजल्ट 50% पर आ गया। आरोप है कि जन शिक्षक का ध्यान पढ़ाई पर नहीं है। ग्रामीणों का आरोप है कि ये शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर रहे हैं। गाँव के लोगों की पारिवारिक जमीन का नक्शा-खसरा बिना सहमति बदलवाकर परिवार के नाम पर खरीद-बिक्री करा रहे हैं।

ग्रामीण बताते हैं कि गृह ग्राम होने के कारण इनका पूरे इलाके में दबदबा है। पहले भी इनके परिवार के लोग पंचायत पर काबिज रहे। अब ये खुद को बड़ा राजनीतिज्ञ बताकर विरोध करने वालों को धमकाते हैं।

सुशासन तिहार में भी हार - परेशान ग्रामीणों ने सुशासन तिहार में 29 अप्रैल को शिकायत की। प्रशासन ने 8 मई को सुनवाई तय की। लेकिन कार्यवाही शून्य है। आवेदक ने जिला शिक्षा अधिकारी से फोन पर बात करना चाहा तो जिला शिक्षा अधिकारी जनशिक्षक हटाने विषय पर चर्चा बचना चाहे जानकारी बताने से इनकार कर दिए।

उपसरपंच आरोप -20 साल से शिक्षक एवं प्रधानपाठक,और 6 साल से जन शिक्षक। 2 साल की कार्यविधि में लेटर शर्त में लिखा गया है हैं, पर हटते नहीं। 70/बच्चे फेल, जमीन हड़प ली।पंचायत प्रतिनिधियों को करते हैं परेशान , संबंधित जिला तक के अधिकारी जांच पड़ताल के नाम पर टाल मटोल कर रहे हैं

गृह ग्राम में पोस्टिंग, जनशिक्षक कार्यअधी 2 साल की जगह 6 साल का कार्यकाल, 70% फेलियर, और जमीन के कागजों में हेरफेर। सूरजपुर प्रशासन ये बताए कि नियम सिर्फ दूसरों के लिए हैं क्या? क्या गृह ग्राम का होने से किसी को नियम तोड़ने का लाइसेंस मिल जाता है? सुशासन तिहार की फाइल 8 मई से धूल क्यों खा रही हैं

जनगणना कार्य में लापरवाही पर कलेक्टर सख्त, 20 मई तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। शिवपुरी। जिले में जनगणना-2027 के अंतर्गत चल रहे 'हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन' (HLO) की धीमी प्रगति पर कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी अर्पित वर्मा ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने सभी एसडीएम एवं चार्ज अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनगणना कार्य में तेजी लाकर 20 मई तक शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कराया जाए।

निरीक्षण के दौरान प्रगणकों द्वारा भवन नंबरिंग, मानचित्रण एवं एचएलओ ऐप पर डेटा प्रविष्टि कार्य में गंभीर लापरवाही सामने आई। इस पर कलेक्टर ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य में गुणवत्ता से समझौता या किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर अर्पित वर्मा ने निर्देश दिए हैं कि सभी एसडीएम अपने-अपने अनुभागों की प्रतिदिन समीक्षा बैठक करें तथा चार्ज अधिकारी रोज सुबह 9 बजे फील्ड में प्रगणकों की उपस्थिति सुनिश्चित कराएं। साथ ही अधिकारियों को क्षेत्र का औचक निरीक्षण कर भवन नंबरिंग एवं एचएलओ ऐप पर डेटा प्रविष्टि कार्य नियमानुसार पूर्ण कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आगामी दिनों में फील्ड मॉनिटरिंग और सख्त की जाएगी ताकि निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण डेटा संकलन सुनिश्चित हो सके। सभी प्रगणकों को समय पर फील्ड में पहुंचकर भवन गणना कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

काफिला छोड़ ई-रिक्शा पर निकले विधायक जी

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / उरई में सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा का अंदाज बना चर्चा का विषय, वीडियो वायरल जालौन ः- उरई में इस समय सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। आमतौर पर गाड़ियों के लंबे काफिले में नजर आने वाले सदर विधायक इस बार ई-रिक्शा की सवारी करते दिखाई दिए, जिसे देखकर लोग हैरान रह गए।

बताया जा रहा है कि भाजपा के एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विधायक ई-रिक्शा से पहुंचे थे। जैसे ही लोगों ने उन्हें ई-रिक्शा में सफर करते देखा, मौके पर मौजूद लोगों ने मोबाइल निकालकर वीडियो बनाना शुरू कर दिया। देखते ही देखते यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और पूरे उरई-जालौन समेत बुंदेलखंड में चर्चा का विषय बन गया।

वायरल वीडियो को लेकर लोगों के बीच अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग सदर विधायक की सादगी की तारीफ कर रहे हैं तो कुछ इसे ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण का संदेश बता रहे हैं। वहीं कई लोग इसे इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की पहल के तौर पर देख रहे हैं।

इस पूरे मामले पर जब सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अगर जनप्रतिनिधि खुद साधारण और इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल करेंगे, तो आम जनता भी इससे प्रेरणा लेगी। विधायक का कहना है कि भविष्य इलेक्ट्रिक वाहनों का है और सभी को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में आगे आना चाहिए।

फिलहाल सदर विधायक का यह अलग अंदाज सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है और लोग इस वीडियो को जमकर शेयर कर रहे हैं।

सीओ कोंच परमेश्वर की अगुवाई में नगर में हुआ पैदल मार्च

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन)। आज गुरुवार को कोंच पुलिस क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद की अगुवाई में शाम के समय कोतवाली से पैदल मार्च प्रारंभ हुआ जो नगर के पुरानी स्टेट बैंक तिराहा नई स्टेट बैंक तिराहा चंद्रकुआ चौराहा सागर चौकी तिराहा बस स्टेंड एसआरपी इंटर कालेज होता हुआ नगर के मारकंडेश्वर चौराहा पहुंचा इस पैदल मार्च में बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी शामिल रहे इस अवसर पर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश बहादुर सिंह अतिरिक्त इंस्पेक्टर अरुण कुमार यादव एसएसआई विमलेश कुमार यादव खेड़ा चौकी के प्रभारी शिवनारायण वर्मा सागर चौकी के प्रभारी सुमित पांडेय सुरई चौकी के प्रभारी अभिषेक सिंह मंडी चौकी के प्रभारी नीतीश कुमार दरोगा अशोक कुमार वर्मा दरोगा कल्बे पतंजन दीवान अभिषेक भदोरिया सिपाही दीपक कुमार सत्येंद्र सिंह अभिषेक पाल भूपेंद्र सिंह धर्मराज सिंह सहित कई पुलिस कर्मी मौजूद रहे

घूसखोरी पर बड़ी कार्रवाई: उरई तहसील में एंटी करप्शन टीम का छापा, कानूनगो समेत दो दबोचे

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ जालौन के उरई तहसील परिसर में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया जब झांसी की एंटी करप्शन टीम ने छापेमारी कर एक कानूनगो समेत दो लोगों को पकड़ लिया। कार्रवाई के बाद तहसील परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोगों की भारी भीड़ जुट गई।

जानकारी के मुताबिक कानूनगो संदीप तिवारी पर भ्रष्टाचार और रिश्वत लेने के गम्भीर आरोप लगे थे। शिकायत मिलने के बाद झांसी एंटी करप्शन टीम ने जाल बिछाकर कार्रवाई की और मौके से कानूनगो सहित एक अन्य व्यक्ति को पकड़ लिया।कार्रवाई के बाद दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए एट थाना ले जाया गया। एंटी करप्शन टीम पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। उरई तहसील परिसर में हुई इस कार्रवाई से सरकारी विभागों में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं आम लोगों में भी इस कार्रवाई को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने किया सी.बी.जी. प्लांट का भूमि पूजन स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में जनपद का बड़ा कदम

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / पीलीभीत सूचना विभाग 15 मई 2026/जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने आज विकासखण्ड ललौरीखेड़ा क्षेत्रान्तर्गत

ग्राम वारनावदा में पहुंचकर जनपद उद्देश्य सीबीजी प्लांट की भूमि एडवांस्ड रिन्यूगैज एनर्जी प्राइवेट इस अवसर पर उन्होंने प्लांट के अधिकारियों व कंपनी के की शुरूआत में क्षमता 6 से 7 टन टन प्रतिदिन कर दिया जायेगा। सी0बी0जी0 प्लांट की लगात 40 भूमि में स्थापित किया जा रहा है। बताया गया कि सीबीजी प्लांट संरक्षण- यह प्लांट कृषि अवशेषों मैली, इत्यादि और जैविक कचरे कम करने में मदद मिलेगी।

में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र को बढ़ावा देने पूजन किया गया। जनपद में सीबीजी प्लांट लिमिटेड द्वारा स्थापित किया जा रहा है। मॉडल का अवलोकन किया और संबंधित प्रतिनिधियों ने बताया कि सीबीजी प्लांट प्रतिदिन रहेगी, बाद में इस बढ़ाकर 9 से 10 कम्पनी के प्रतिनिधियों द्वारा बताया कि से 42 करोड है, जो कि प्लाट 05 एकड़ इसके साथ ही कम्पनी के प्रतिनिधियों द्वारा का सम्बन्ध एचपीसीएल के साथ है। पर्यावरण जैसे पराली, मण्डी से बची वेस्ट सब्जियां, से बायो-सीएनजी तैयार करेगा, जिससे प्रदूषण जिलाधिकारी ने बताया कि इस प्लांट की स्थापना से क्षेत्र के युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। किसानों को उनके फसल अवशेषों (पराली आदि) का उचित मूल्य मिल सकेगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। यह परियोजना वेस्ट टू वेल्थ की अवधारणा को साकार करने और भारत को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस दौरान उप जिलाधिकारी सदर, अन्य अधिकारी, कंपनी के निदेशक, कम्पनी के प्रतिनिधिगण और क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

If there are rats in homes and shops, can they also cause hantavirus infection? Find out.

There is growing concern worldwide about hantavirus, as it can spread to humans through contact with infected rat feces, urine, and saliva. Hantavirus infection may initially feel like a common flu. Can rats in homes and warehouses also cause infection? Hantavirus is in the news these days. Health experts are warning everyone to protect themselves from this dangerous infection. The outbreak began with an outbreak on the cruise ship MV Hondius in the Atlantic Ocean. Three people have died and several others are ill. Initially, around 150 passengers and crew members were aboard the cruise ship, but on April 24, dozens disembarked on the island of St. Helena. Health officials are racing to trace those who disembarked, fearing the potential for infection from these individuals. Furthermore, there are fears that this deadly rat-borne virus could soon reach Britain. Experts say that although this case has sparked discussion about the infection, hantavirus has spread before. Since it is primarily spread through animals like rats and squirrels, the big question is whether having rats in the home could still be a risk. Infection can also be spread through pet rats - The UK Health Security Agency (UKHSA) stated in a report that cases of hantavirus transmission from pet rats have been reported in the past. Hantavirus infection in humans typically occurs in areas where rats and squirrels live in homes, shops, or factories. Rural and agricultural areas are also at higher risk. Since 2012, only 11 cases of Seoul strain hantavirus infection have been reported in the UK. Nine of these cases were related to pet rats. Be careful if you have rats at home - rats in the home not only damage property but can also cause many dangerous diseases. Hantavirus is one of them, spreading to humans through contact with the feces, urine, and saliva of rats infected with the virus. Experts say it's more likely to spread in dirty, closed rooms, storerooms, old furniture, and corners that haven't been cleaned for a long time. The risk of contracting the type of hantavirus depends on the rat species found in your area. Seoul virus has been more common in the UK. It attacks the kidneys more than the lungs. However, it has been found to be less dangerous than the "New World" strain of the virus found in the US. Sick passengers on the MV Hondius ship were found to have the "Andes strain," which is particularly common among long-tailed rice-eating rats. Only the Andes virus can spread from one person to another. What do experts say? Dr. Michael Head, an expert in public health research and epidemiology at the University of Southampton, says that wild rats aren't the only carriers of hantavirus. If a pet rat or squirrel has this virus, you may become ill while cleaning their cage. You can also become infected by this virus from rats in homes, warehouses, and shops. When we clean rat-infested areas, virus particles spread into the air and can enter the body through breathing. This poses the risk of Hantavirus Pulmonary Syndrome. Experts recommend that if you have rats in your home or shop, spray water first and then thoroughly clean the area. This reduces the risk of the virus spreading through the air. Protective equipment such as masks and goggles should be worn when cleaning rat-infested areas, as the virus can enter the body through the nose, eyes, and mouth. Pay special attention to cleanliness. Health experts say that Hantavirus infection initially feels like a common flu, but in severe cases, it can rapidly worsen lung and respiratory problems. This is why it's crucial to maintain household cleanliness, rodent control, and hygiene. Experts advise that areas that remain uncleaned for extended periods can accumulate rodent droppings, increasing the risk of infection. If you see rodent tracks in your home, clean immediately, use gloves and a mask, and avoid touching infected areas without protective measures. A little caution can significantly reduce the risk of this deadly virus.

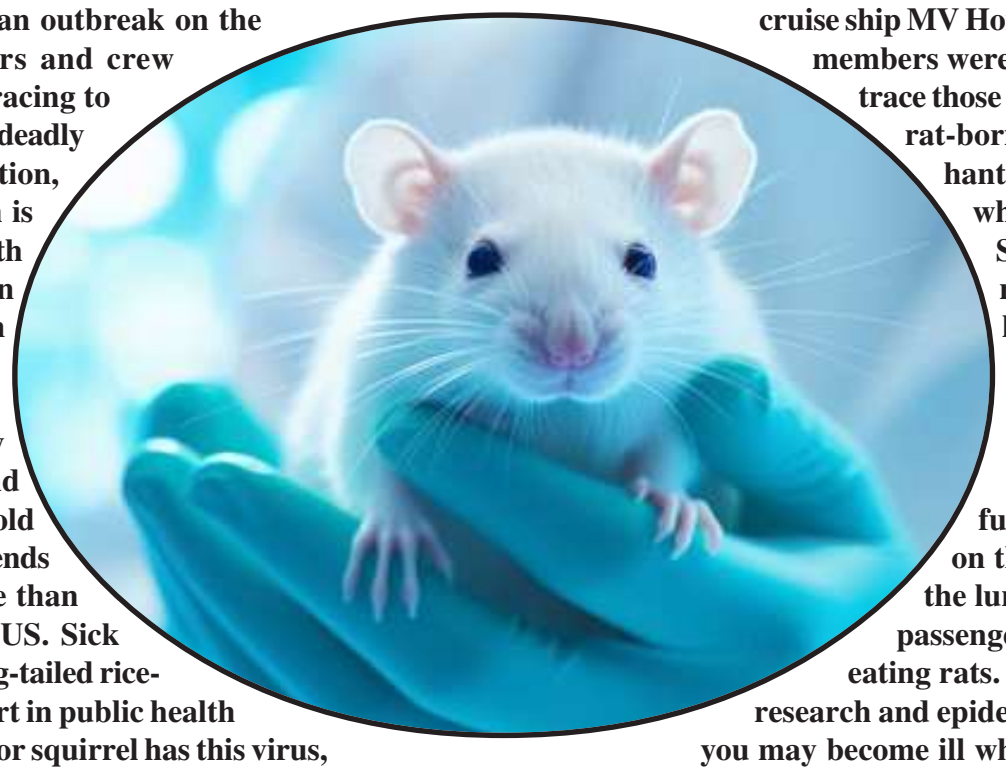

Low Budget Trip: Visit these cool places for just 2,000 rupees, get a room for 500 rupees

Which is the best cool place to visit for 2,000 rupees? Places like Rishikesh, Kasol, Mount Abu, Lansdowne, and McLeodganj are considered excellent for a low-budget trip. A trip here can be completed for around 2,000 rupees, including travel, food, and accommodation. Hostels and guest houses are also available in many places for as little as 500 rupees. With the arrival of summer, everyone yearns to travel to a cool and peaceful place. However, many people are unable to plan a trip due to a limited budget. People often think that traveling to the mountains or cool places requires spending lakhs of rupees. However, the truth is that India has many beautiful places where you can enjoy a wonderful trip on a very low budget. With proper planning, travel, food, and accommodation can easily be covered for just 2,000 rupees. At these places, you can find accommodation in hotels, hostels, or dharamshalas for as little as 500 rupees. For budget travelers, college students, and groups of friends, these destinations are a paradise. The cool breeze, beautiful scenery, and tranquil atmosphere will provide relief from the heat and a memorable experience. Tour packages are available that offer a wide range of amenities and a fun-filled journey. If you're planning a trip this summer without putting too much strain on your pocket, these destinations could be perfect for you. McLeodganj - For a low-cost, exotic experience, head to McLeodganj. Located in the Kangra district of Himachal Pradesh, McLeodganj is renowned for its beauty and Tibetan culture. The weather here remains exceptionally cool in the summer. The Bhagsu Waterfall, cafes, and monastery are excellent places to visit. For budget travelers, there are many affordable hostels available for as little as 500 rupees. Rishikesh - If you're looking for both adventure and relaxation on a budget, head to Rishikesh. Rishikesh in Uttarakhand is considered one of the most affordable and wonderful places to visit. Here, you can enjoy camping on the banks of the Ganges, river rafting, and cafe culture. Bus and train fares from Delhi and Uttar Pradesh are quite affordable. The best part is that hostels and dharamshalas are easily available for 400-500 rupees. The weather here is quite cool and pleasant during summer. Kasol - For a budget trip amidst the mountains, visit Kasol. Located in the Kullu district of Himachal Pradesh, this small village has become a very popular travel destination among young people. The cool valleys and the view of the Parvati River attract many. If you book in advance, you can find a hostel for as little as 500 rupees. Cheap and delicious food is easily available at local eateries. This place is a paradise for trekkers. Mount Abu - If you want to experience the cool valleys of Rajasthan, visit Mount Abu, the state's only hill station. The weather remains pleasant even in summer. Nakki Lake, Sunset Point, and the Dilwara Temple are worth visiting. Rooms are available for as little as 500 rupees during the off-season. If you live in or around Gujarat or Rajasthan, this trip can easily fit within your budget. Lansdowne - Your search for a quiet and affordable hill station can be fulfilled in Lansdowne. Lansdowne Hill Station is located in the Pauri district of Uttarakhand. This place is perfect for those seeking peace and tranquility away from the hustle and bustle. People love its serene atmosphere and greenery. Traveling here is easy on a budget. Many guest houses and lodges are available for as little as 500 rupees. It is considered an excellent option for a weekend trip.

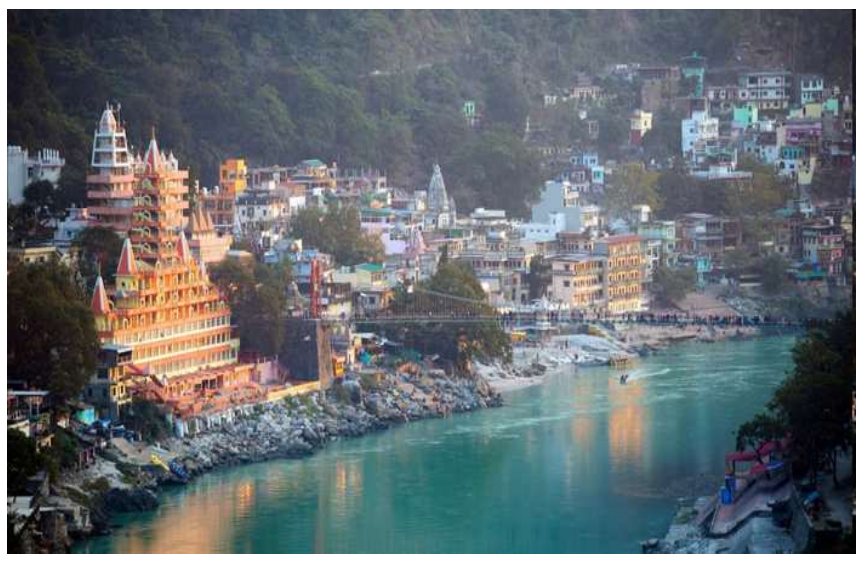

Skin Care: Increased Wrinkles and Dry Skin! Learn the Disadvantages of Constantly Staying in an AC

If you constantly keep your AC on during this summer season, this article will be helpful. Here, we'll explain its disadvantages. People spend hours in AC to get relief from the intense heat and humidity, but constant AC use can have various effects on the skin, which many often ignore. This can lead to skin-related problems. Sometimes, it can cause itching, irritation, and even signs of premature aging. Therefore, it's important to take proper care of your skin while using an AC and take some necessary precautions to ensure that your skin remains healthy while remaining cool. How does AC affect your skin? 1. AC reduces humidity. Air conditioners absorb moisture from the room, making the air very dry. This dry air causes the skin to lose its natural moisture, leading to a feeling of tightness, dryness, and discomfort. 2. Skin's natural oils are depleted. Constant exposure to cold air affects the skin's natural oil balance. These oils keep the skin soft and glowing, but their depletion can cause the skin to appear dull, rough, and dull. 3. Wrinkles and fine lines appear faster. Dry skin shows signs of aging more quickly. Lack of moisture reduces skin elasticity, leading to premature appearance of fine lines and wrinkles. 4. Itching and burning - The dry air of AC can irritate the upper layer of the skin. This can cause mild itching, burning, and sometimes even redness. Tips to protect the skin - Drinking adequate water throughout the day keeps both the body and skin hydrated. This maintains the skin's natural glow and reduces dryness. People living in AC should apply moisturizer at least twice a day. It locks in moisture by forming a protective layer on the skin. Instead of staying in the AC for long periods of time, it's important to step outside every now and then to bring your body back to normal temperature. A humidifier balances the room's humidity, reducing the dryness of the AC and providing relief to the skin. Face mist or rose water instantly refreshes and hydrates the skin. Using it 2-3 times a day helps maintain freshness.

Trisha Krishnan gave a strong reply to trolls, writing, "Love always..."; she was trolled for attending Vijay's swearing-in ceremony.

Actress Trisha Krishnan recently shared some photos on her social media account. In her caption, Trisha responded to trolls. On Sunday, South superstar and TV personality Vijay Thalapathy was sworn in as the Chief Minister of Tamil Nadu. Her close friend Trisha's presence at his swearing-in ceremony was widely discussed. Several photos and videos of Trisha from the event went viral, and many users trolled her in the comments section. On Monday, the actress responded to trolls by sharing some photos in a sari. Users are reacting strongly to this post. In this post, Trisha shared photos of herself in the same sari she wore to attend the ceremony. She looks stunning in this blue silk sari, adorned with a white flower gajra in her hair. Along with these photos, Trisha captioned them, "Love is always louder." Through these photos, the actress also gave a befitting reply to trolls who were questioning her and Vijay's relationship. Users have differing opinions. Users have commented on the actress's post. While some are praising Trisha's friendship and her beauty, others are also criticizing her. One user wrote, "CM Vijay and you are among the most loved celebrities in the country." Another user wrote, "Isn't this love a bit louder, Trisha ma'am?" "Was waiting for this moment" - Earlier, after arriving at the swearing-in ceremony in Chennai on Sunday, Trisha spoke to the media. There, she said that this is a big day for Tamil Nadu and she has been waiting for this moment. Trisha's mother, Uma Krishnan, was also present with her throughout the ceremony. Trisha was also seen hugging CM Vijay's cousin and his mother at the event.

When a thief broke into Soha Ali Khan's house, this was the actress's reaction; revealed what special advice Saif and Kareena give.

Soha Ali Khan recalled the incident of theft at her home. She explained her reaction... Actress Soha Ali Khan is more in the news for her social media activities than for her films. She often shares photos of her family on social media. Recently, Soha recalled an old incident when thieves broke into her old house and her husband Kunal Kemmu confronted them. However, Soha explained what she was doing at the time. Kunal confronted the thief despite having a plaster cast on his hand. Speaking at a youth event, Soha Ali Khan revealed that this incident occurred in 2011, when a thief entered their bedroom while they were sleeping. The actress explained that their house was burgled many years ago and caught the thief, she stood in a Kunal corner and cried. During the robbery, I froze in one place out of fear and couldn't react. Kunal, despite having a plaster cast on his hand, fought the intruder fiercely. Saif gives relationship advice - During the conversation, Soha admitted that she wished she had reacted differently at the time. The actress admitted that she becomes unconscious in stressful situations, a trait she has been trying to work on for the past several years. While talking about her reaction to the incident, she jokingly called herself a coward. Soha also revealed that Saif often gives her relationship advice, while her sister-in-law, Kareena Kapoor Khan, keeps her updated with all the latest information and gossip.

"Money was offered to speak against Virat," German model Lizlaz makes a major revelation; Kohli had liked the post

A few days ago, cricketer Virat Kohli liked a post by German influencer Lizlaz, which caused a stir on social media. Now, recalling that incident, the influencer has made a major revelation. Cricketer Virat Kohli is currently making waves with his batting in the IPL. But a few days ago, one of his likes created a stir across the internet. Virat had liked a post by German influencer Lizlaz. Now, recalling the entire incident, Lizlaz has made significant revelations about what happened at the time. Money was offered to tarnish the image - In a recent podcast with Filmi Mantra Media, influencer Lizlaz revealed that since the controversy erupted, several journalists had offered her money to speak against Virat and tarnish his image. I was offered money... Lizlaz said, "At that time, there were some journalists who offered me money to say things about him that didn't even happen. But why would I do that? Why would I tarnish his image for money? I'm not like that." Who is influencer Lizlaz? Lizlaz is a German-South African social media influencer and content creator. She is also a singer and a travel vlogger. She mostly focuses on Indian culture and travel. She has over 400,000 followers on Instagram. Lizlaz is deeply influenced by Indian culture. A look at Lizlaz's Instagram account reveals that she is deeply influenced by Indian culture. She has even visited India and has shared videos of the visit on social media. In January, she attended a wedding in Haryana. About three weeks ago, one of her posts was liked by Virat Kohli, which brought her into the spotlight.